राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 27 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–93 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सोपोर में दो आतंकी ढेर, दो जवान घायल

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को दो आतंकी मार गिराए। यहां सुरक्षाबलों ने गुरुवार को ऑपरेशन शुरू किया था। आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। इस दौरान एक नागरिक के कंधे में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे श्रीनगर रेफर कर दिया गया। नौपोरा इलाके में एक घर के अंदर आतंकियों के छिपे होने की सूचना थी। सुरक्षाबलों ने वहां घेराबंदी दी। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं और वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। गुरुवार को रात अंधेरा होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया था। आज सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों की पहचान नहीं हुई है। वहां लश्कर के डिवीजनल कमांडर उस्मान और लश्कर के संगठन टीआरएफ के कमांडर बासित डार के फंसे होने की जानकारी थी।

सूरत में दोबारा चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

निर्विरोध चुने गए थे भाजपा उम्मीदवार

नई दिल्ली। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभानी का पर्चा खारिज होने और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा अपना पर्चा वापस लेने के बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। अब सूरत में दोबारा चुनाव कराने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की गई है। इसके लिए मतदाताओं के नोटा विकल्प पर वोट देने के अधिकार को आधार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा खारिज होने, और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा पर्चा वापस लेने के बाद भी जनता के पास नोटा को वोट देने का विकल्प खुला हुआ था। चुनाव आयोग द्वारा मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करने से मतदाताओं के नोटा विकल्प को वोट देने का अधिकार छिन गया है। सर्वोच्च न्यायालय से प्रार्थना की गई है कि नोटा विकल्प की विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए चुनाव आयोग को सूरत में दोबारा चुनाव कराने का आदेश दिया जाए।

तीन भारतीय कंपनियों पर अमेरिको ने लगाया बैन

नई दिल्ली। अमेरिका ने ईरान के साथ व्यापार करने पर भारत की तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन कंपनियों पर आरोप है कि ये ईरानी सेना के साथ अवैध व्यापार और उनके लिए ड्रोन्स ट्रांसफर करने का काम करती थीं। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने बताया कि यह बैन भारत के अलावा कई दूसरे देशों की कंपनियों, लोगों और जहाजों पर लगाया गया है। ये सभी गुप्त तरह से रूस तक ईरानी ड्रोन्स की डिलीवरी में अहम भूमिका निभाते हैं। इन ड्रोन्स का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में किया जाता है। जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटिड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट कंपनी शामिल है।

शादी में सिलेंडर ब्लास्ट, 6 की मौत

दरभंगा । दरभंगा में शादी के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा गुरुवार रात 11 बजे के बाद हुआ। गांव के लोगों ने बताया की छान पासवान की बेटी की शादी थी। बारात को पड़ोसी रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में ठहराया गया था। इस दौरान बारातियों ने जमकर आतिशबाजी की। पटाखों की चिंगारी से शामियाने में आग लग गई। पास में ही खाना बन रहा था। देखते ही देखते आग सिलेंडर तक जा पहुंची। सिलेंडर में आग लगते ही ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद दूल्हा-दुल्हन को पास के ही मंदिर में ले जाया गया। वहां दोनों की शादी हुई।

राहुल 30 को भिंड में तो 2 मई को मुरैना में प्रियंका का रोड शो

दोनों सीटों समेत मप्र में नौ लोकसभा सीटों के लिए सात मई को मतदान होगा।

भोपाल। आदिवासी बहुल क्षेत्र महाकोशल के बाद अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ग्वालियर-चंबल अंचल में आएंगे। वे अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित भिंड लोकसभा क्षेत्र में 30 अप्रैल को सभा को संबोधित करेंगे। वहीं, पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो मई को मुरैना में सभा करेंगी। इन दोनों सीटों समेत मप्र में नौ लोकसभा सीटों के लिए सात मई को मतदान होगा। कांग्रेस ने इस बार ग्वालियर-चंबल अंचल की चार सीटों पर ऐसे चेहरों को मैदान में उतारा है, जो पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी में अनुसूचित जाति वर्ग के बड़े चेहरे भांडेर से विधायक फूल सिंह बरैया को उम्मीदवार बनाया है तो मुरैना से सत्यपाल सिंह सिकरवार पर दांव लगाया है। सिकरवार के बड़े भाई सतीश सिकरवार ग्वालियर पूर्व से विधायक हैं और भाभी शोभा सिकरवार हैं। सत्यपाल स्वयं 2013 में भाजपा से सुमावली क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। ग्वालियर से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक और गुना से राव यादवेंद्र सिंह यादव को मैदान में उतारा गया है। पार्टी का प्रयास है कि भिंड और मुरैना में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की सभा कराकर पूरे अंचल में संदेश दिया जाए। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समय भी राहुल गांधी मुरैना, भिंड और ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से गुजरे थे।

3 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग खत्म

त्रिपुरा-मणिपुर में 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान; जयराम रमेश का आरोप- मणिपुर के बूथ में लोकतंत्र हाईजैक

नई दिल्ली

18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सेकेंड फेज में शुक्रवार 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग हुई। त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 77.93% वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 53% के आसपास मतदान हुआ।

मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लोकतंत्र हाईजैक होने का आरोप लगाया। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोकी। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई। सेकेंड फेज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, 5 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व CM और 3 फिल्मी सितारे मैदान में हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, शशि थरूर और हेमा मालिनी की सीट पर भी वोटिंग हुई। आउटर मणिपुर के कुछ हिस्सों में दोबारा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने इस सीट पर दो फेज में चुनाव की घोषणा की थी।

2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और NDA के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 1,202 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,098 पुरुष और 102 महिला उम्मीदवार हैं। दो प्रत्याशी थर्ड जेंडर से है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले फेज की 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज के बाद 5 फेज की वोटिंग 1

जून को खत्म होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अररिया और मुंगेर में सभा को संबोधित करते हुए कहा

इन्होंने बैलट पेपर लूटकर किया राज

अररिया/ मुंगेर।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार के अररिया और मुंगेर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कांग्रेस के शहजादे ने कहा कि हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे। विरासत टैक्स लगाकर आपसे लूटी गई संपत्ति को कांग्रेस अपने खास वोट बैंक को बांट देगी।

आज पूरा देश, नौजवान, बुजुर्ग मां-बाप चिंतित हैं। इसलिए एक स्वर से पूरा देश कह रहा है- कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। उन्होंने कहा कि राजद, कांग्रेस के इंडी गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वह लोग हैं जिन्होंने दशकों तक बैलट पेपर के बहाने गरीबों का अधिकार छीना। पोलिंग बूथ, बैलट पेपर लूट लिए जाते थे। जब गरीबों को ईवीएम की ताकत मिली है तो चुनाव के दिन लूट करने वालों को बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसलिए वे ईवीएम को हटाना चाहते हैं, लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने के इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इन्होंने(कांग्रेस) यहां तक झूठ फैलाया कि कभी डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसा कहा ही नहीं था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। लेकिन आज डॉ. मनमोहन सिंह का एक और पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें वे वही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। यह वीडियो सामने के बाद कांग्रेस और उनके पूरे इकोसिस्टम को जैसे सांप सूंघ गया है। पीएम ने आगे कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने युवा वोटर्स से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की।

इंडी गठबंधन का काम अपनी तिजोरी भरना

उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश को शक्तिशाली बनाने के लिए है। बिहार की इसमें बड़ी भूमिका है। बिहार को आगे बढ़ाने के लिए आपका सेवक और यहां नीतीश जी पूरी शक्ति से काम कर रहे हैं। इंडी गठबंधन का मकसद है देश के लोगों से छीनना। उन्हें लटकाकर रखना और अपनी तिजोरी भरना। उन्होंने कहा कांग्रेस के शहजादे ने कहा कि हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे। परिवार के पास क्या होता है? जेवर-गहने रहते हैं। भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर पड़ गई है। आपके जमीनों का सर्वे करेगी। आप पर टैक्स लगाएगी। हर परिवार का एक्सरे कराएगी।

देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है

पीएम नरेंद्र मोदी अररिया के फारबिसगंज में सभा को संबोधित कर रहे हैं। बीजेपी प्रत्याशी प्रदीप सिंह के पक्ष में प्रधानमंत्री वोट मांग रहे हैं।

पीएम ने कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने युवा वोटर्स से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की।

संदेशखाली में छापेमारी में गोला-बारूद बरामद

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले के मामले में सीबीआई कई स्थानों पर छापेमारी की। सीबीआई ने इन छापेमारियों में बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद किए हैं।

इससे पहले संदेशखाली मामले में सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई ने ईमेल के जरिए शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी। इस एफआईआर में पांच लोग नामजद हैं जबकि बाकी अज्ञात लोग हैं। महिलाओं के साथ अत्याचार और जमीन हड़पने के मामलों की जांच के लिए सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने पिछले हफ्ते संदेशखाली का दौरा किया था। इस दौरान टीम ने पीड़ित परिवारों और महिलाओं बातचीत करके उनके बयान दर्ज किए थे। इसके साथ ही सीबीआई की एक टीम संदेशखाली पुलिस स्टेशन भी पहुंची, जहां मौजूद पुलिसकर्मियों से जांच रिपोर्ट तलब की थी।

विजय माल्या को फ्रांस के जरिए वापस लाने की तैयारी

- भारत ने बेशर्त प्रत्यर्पण मांगा; माल्या की वहां भी 313 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली।

भारत सरकार भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या को देश लाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए सरकार ने फ्रांस के अधिकारियों से बिना शर्त माल्या को भारत को सौंपने की मांग की है। माल्या अभी ब्रिटेन में है, लेकिन भारत इस वक्त हर उस देश से संपर्क कर रहा है, जहां माल्या की प्रॉपर्टी है। ऐसा इसलिए, अगर माल्या ब्रिटेन छोड़कर दूसरे देश भागता है तो उसे वहां से भारत लाने में ज्यादा समय न लगे।रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और फ्रांस के बीच में माल्या के प्रत्यर्पण पर बातचीत 15 अप्रैल को काउंटर-टेररिज्म के वर्किंग ग्रुप की एक बैठक के दौरान हुई। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। फ्रांस ने इस बैठक में कुछ शर्तों के साथ माल्या के प्रत्यर्पण का ऑफर दिया, लेकिन भारत ने उनसे शर्तें हटाने को कहा है। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी केडी देवल शामिल हुए थे। इसके अलावा बैठक में इंटेलिजेंस एजेंसी के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। किंगफिशर एयरलाइंस समेत कई कंपनियों के मालिक रहे भारतीय बिजनेसमैन विजय माल्या पर देश के 17 बैंकों के करीब 9 हजार करोड़ रुपए बकाया हैं।2019 में विजय माल्या को भगोड़ा घोषित किया गयामाल्या 2016 में देश छोडक़र ब्रिटेन भाग गया था, जहां से भारत सरकार उसे देश लाने का प्रयास कर रही है। माल्या पर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के केस चल रहे हैं। 5 जनवरी 2019 को अदालत ने विजय माल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया था। पिछले साल जांच के दौरान सीबीआई ने दावा किया था कि माल्या ने साल 2015-16 के दौरान ब्रिटेन और फ्रांस में 330 करोड़ रुपए की संपत्तियां खरीदी थीं। उस वक्त उसकी कंपनी किंगफिशर एयरलाइंस घाटे में थी। माल्या ने खुद बैंकों को कर्ज नहीं चुकाया था। साल 2020 में श्रृष्ट की अपील पर फ्रांस ने वहां मौजूद माल्या की 14 करोड़ की प्रॉपर्टी को सीज कर लिया था।

जोधपुर में पांच पीढ़ियों के 70 लोग एक साथ गए मतदान करने

जोधपुर ।

जोधपुर में पांच पीढ़ियों के 70 लोग एक साथ सजधज कर वोट करने पहुंचे। इसी परिवार ने तय किया था कि लोकतंत्र के पर्व को उत्साह के साथ मनाना है। वे लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि वो वोट जरूर करें। भारत का नाम विश्व में सबसे सशक्त लोकतंत्र के रूप में पहचाना जाए। सजधज कर वोट करने पहुंचे पुरुषों ने राजस्थानी साफा पहन रखा था तो वहीं महिलाओं ने चूंदड़ी की लाल साड़ी पहनी थी। इस परिवार में फर्स्ट वोटर (जो पहली बार मतदान कर रहे हैं) भी थे और साथ ही बच्चे भी थे, जो आने वाले समय में वोटर बनेंगे। इसी परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हमने सोच लिया था कि राजस्थान की संस्कृति का प्रतीक साफा पहनेंगे और महिलाएं चूंदड़ी की साड़ी पहनेंगी। हमारे परिवार में कुछ लोग पहली बार वोट कर रहे हैं। हम लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि वो वोट जरूर करें। भारत का नाम विश्व में सबसे सशक्त लोकतंत्र के रूप में पहचाना जाए। बता दें कि राजस्थान की जोधपुर सीट पर बीजेपी की ओर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत लड़ रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस ने राजपूत समाज से ही करण सिंह को मैदान में उतारा है। 2014 और 2019 में भी इस सीट से गजेंद्र सिंह शेखावत ही जीते थे, इसलिए इस बार भी बीजेपी ने उन्हें ही उम्मीदवार घोषित किया है।

रेल यात्रियों के लिए गुडन्यूज!

अब घर बैठे बुक कर सकेंगे जनरल और प्लेटफार्म टिकट

चंदौली।

जनरल टिकट लेकर यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए एक खुशखबरी है। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर यूटीएस ऑन मोबाइल एप में यात्रा टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट दोनों के लिए बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। इससे अब रेल यात्री घर बैठे ही भारतीय रेल के किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए अपना अनारक्षित टिकट व प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि जियो फेंसिंग की आंतरिक सीमा अपरिवर्तित रहेगी। यानी अगर आप रेलवे स्टेशन के आसपास हैं तो केवल स्टेशन परिसर के बाहर से ही टिकट बुकिंग की अनुमति मिलेगी।

बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध हटा

गौरतलब है कि वर्तमान समय में ऑन मोबाइल ऐप से टिकट बुक करने के लिए बाहरी सीमा जियो-फेंसिंग दूरी का प्रतिबंध 20 किलोमीटर का था यानी कोई भी यात्री वर्तमान में किसी स्टेशन से अधिकतम 20 किमी की दूरी तक ही उस स्टेशन से यात्रा के लिए अनारक्षित टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट बुक कर सकता था। अब यह प्रतिबंध हटा दिया गया है। जिसके चलते जनरल टिकट और प्लेटफार्म टिकट आप अपने मोबाइल ऐप से घर बैठे ही बुक कर सकते हैं।

किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए टिकट बुकिंग संभव

इस संदर्भ में जानकारी देते हुए पूर्व मध्य रेल के सीपीआरओ वीरेंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल ऐप की सुविधा यात्रियों को प्रदान की गई थी। इसमें टिकट बुकिंग के लिए स्टेशन परिसर से एक निश्चित दूरी का प्रतिबंध लगाया गया था। जिसे अब खत्म कर दिया गया है और अब यात्री घर बैठे किसी भी स्टेशन से किसी भी स्टेशन के लिए अनारक्षित टिकट या प्लेटफार्म टिकट यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से ले सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि पिछले काफी समय से अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा इंटरनेट कनेक्शन वाले स्मार्ट फोन (एनड्रॉइड या विंडो आधारित) के जरिए अनारक्षित टिकट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा से रेल यात्री अनारक्षित टिकट लेने के लिए लंबी कतारों में लगने से बच सकते हैं और वे अपने मोबाइल से आसानी से जनरल यानी अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं।

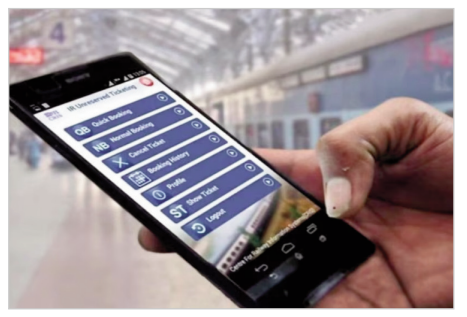

संपादकीय

सेहत सुरक्षा-कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं। निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता-अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं। कई अस्पष्टताएं व किंतु-परंतु पॉलिसीधारक के मन में संदेह और अनिश्चितता उत्पन्न करते हैं। वहीं दूसरी तरफ लाभों व जोखिमों के बारे में गलत सूचना या अपर्याप्त जानकारी उपभोक्ताओं के शोषण व परेशानी का सबब बनती है। इसलिए जरूरी है कि ग्राहकों का विश्वास हासिल करने के लिये पारदर्शी व परेशानी मुक्त दावा निपटान की व्यवस्था हो। इसके साथ ही बीमा भुगतान से जुड़ी धांधलियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत तंत्र बनाया जाए।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

चुनाव में सभी दलों की निगाहें युवाओं पर टिकी

(लेखक-संजय गोस्वामी)

अगर लोकतंत्र के महायज्ञ की बात करें तो समारोह की घोषणा 28 मार्च क़ो माननीय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुरू हो गया मुख्य चुनाव आयुक्त ने 2024 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जो 19 अप्रैल से 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात चरणों में होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात तारीखों पर मतदान होगा, जबकि जम्मू और कश्मीर में पांच चरणों में मतदान होगा, सात जिलों में मतदान की प्रक्रिया 19 अप्रैल क़ो खत्म हो गई और 1 जून तक सभी सात जिलों में मतदान पूरा हो जाएगा। पूरे देश में वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 4 जून दोपहर तक नई सरकार की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। सत्ता की चाभी विशेषकर महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के हाथ में लगती दिख रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, युवा मतदाताओं की मुखरता नतीजों में झलक रही है। लोकसभा के पिछले दो चुनावों में वह युवा मतदाताओं यानी श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं। हालाँकि, जिन देशों में क्षेत्रीय दल और सरकारें सत्ता में रही हैं, उनमें युवाओं ने क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी है। इसका कारण यह नहीं है कि युवा भाजपा के समान ही हैं, बल्कि युवा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक दलों का स्तर भी अलग-अलग स्तर पर देखा गया है। युवा और महिला मतदाताओं ने वोट देने की पहल की है और इसमें कोई संदेह नहीं है, 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाएं और युवा भाजपा के लिए मजबूत मतदाता पाए गए हैं। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे जटिल लोकतंत्र है। मतदाताओं की बहुसंख्यक आबादी, विविधताएं और भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, खासकर चुनाव आयोग और चुनाव आयोग के लिए। लेकिन हमें गर्व है कि हमारा चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली दुनिया के देशों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। दुनिया, उसके देश और हमारी सरकार व चाहतों पर नज़र रहती है। पहले चुनावों ने देश में पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है और दुनिया भर के लोग हमारे चुनावों और मतदान के साथ-साथ मतगणना में भी रुचि रखते हैं। वे देखने और समझने आते हैं। पूरी दुनिया, देशों की नज़र हमारे सपनों पर रहती है। यहां खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए, इसलिए प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा बंद व्यवस्था की आलोचना की गई है। मतदाता मतदान आसान, सुलभ हो गया है और राजनीतिक दलों या अन्य बाहरी प्रभावों पर मतदाताओं की निर्भरता समाप्त हो गई है। जबकि दुनिया के अन्य देशों में लोकतंत्र समान है, हमारे इंडिया में कुल मतदाताओं की तुलना में 18 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाता अधिक हैं। इसके अलावा 26 से 35 वर्ष तक के मतदाता भी युवा और युवा वर्ग की श्रेणी में आते हैं। हमारे देश में विश्व के सबसे अधिक मतदाता संख्या वाले देशों की कुल संख्या से भी अधिक मतदाता हैं। इस साल 18वीं विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में 98.6 फीसदी मतदाता हिस्सा लेंगे, जबकि यूरोपीय संघ में 40 फीसदी, इंडोनेशिया में 20.4 फीसदी, अमेरिका में 16 फीसदी और पाकिस्तान में 12.8 फीसदी मतदाता होंगे। वह एक बिगड़ैल वोटर हैं। जो धर्म के नाम पर चुनाव का नतीजा तय करती है खैर, यह अलग बात थी, लेकिन लोकसभा में पहले दो मुकाबलों के नतीजों से यह साफ हो गया कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया, वही सरवेरा बन गया। दिलचस्प बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में यह विश्वास ही नई सरकार की कुंजी है, खासकर भारत सरकार को मजबूत करने में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी। रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के मुताबिक, 18वीं लोकसभा के चुनाव में 543 सीटों के लिए 96.8ब्न पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 82 लाख नए पंजीकृत मतदाता हैं, 47.15 लाख महिला मतदाता हैं और 49.7 नए पंजीकृत मतदाता हैं। जहां 17वीं लोकसभा चुनाव में लगभग 1.5 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे, वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव में 1.82 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे। वे क्या उपयोग करेंगे? दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को दो श्रेणियों यानी 18 से 25 साल और 26 से 35 साल में बांटकर वोटिंग प्रतिशत का आकलन और विश्लेषण किया गया था। बात यह है कि युवाओं में, समाज के दोनों वर्गों में भाजपा और कांग्रेस की तुलना में मतदान का अंतर बहुत अधिक था। 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 साल के 44 फीसदी युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया, जबकि 26 से 35 साल के 46 फीसदी युवाओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों आयु वर्ग में 26-26 फीसदी मतदाताओं ने ब्रिटिश प्रेस पर भरोसा जताया, जबकि 28 से 30 फीसदी युवाओं ने दूसरी पार्टियों पर भरोसा जताया। लेकिन अलगयुवा युवाओं के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच विश्वास को लेकर कोई बड़ी बात नहीं है और यहां बताया गया है कि वे बीजेपी और नरेंद्र मोदी को क्यों पसंद करते हैं? क्योंकि वो मजबूत चेहरा के रूप में श्री नरेंद्र मोदीजी और उप्र के मुख्य मंत्री योगीजी उभरे हैं। 2019 में वोट बंटवारे से यह भी स्पष्ट हो गया कि विपक्षी दलों में बिना पेंदी के लोटा जैसा है और सभी पार्टियों के मन में प्रधानमंत्री का सपना है । चाहे युवा हों, महिलाएं हों या नए मतदाता हों, तीनों ही श्रेणियों में बीजेपी को कांग्रेस के मुकाबले बहुत ज्यादा समर्थन मिला है।क्योंकि कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रही है और जिस तरह श्री राहुल गाँधी की भाषा पब्लिक के सामने आई है वो नहीं चाहती है देश और भी संकट में जाए इससे यह स्पष्ट होता है कि 2024 का चुनाव युवाओ और महिलाओ के कारण दिशा तय करेंगी इस शताब्दी के पूर्वार्ध में अनुमानित जनसंख्या वृद्धि चुनौतीपूर्ण है। अनुमान के आधार पर, मध्य शताब्दी तक 9 से 10 अरब लोग होंगे। वर्तमान जनसंख्या केवल 7 अरब से कम है, जिसका अर्थ है कि इस सदी की शुरुआत से मध्य तक लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोई विशेष मॉडलों की सापेक्ष सटीकता पर बहस कर सकता है, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि आने वाले दशकों में खिलाने के लिए कई और अधिक मुंह होंगे। आईटी ने मानव प्रयास के कई अन्य पहलुओं को बदल दिया है और व्यापक सामाजिक आवश्यकताओं का जवाब देने के लिए सिस्टम बनाने में मदद की है। दरअसल, परिवहन, संचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियाँ बुनियादी कार्यों को करने के लिए भी पूरी तरह से आईटी पर निर्भर हैं। हालाँकि, सूचना और इसके स्वचालित तकनीकी अवतार ने कृषि को समान स्तर पर प्रभावित नहीं किया है। कृषि का महत्व कृषि एक प्रमुख क्षेत्र है जो आधुनिक मनुष्य के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पौधे खाद्य श्रृंखला में उत्पादक हैं, और उनके बिना, जीवन चक्र संभव नहीं होगा। कृषि उपज, हालांकि अन्य खाद्य स्रोतों की तुलना में अच्छा है या खराब ये किसान आंदोलन से नहीं किसानों के वोट तय करेंगे किसान अपने फसलों का उपयोग कई खाद्य स्रोतों को स्वयं या उप-उत्पादों जैसे ब्रेड, पाउडर, अन्य वस्तुओं में कार्बनिक योजक आदि के माध्यम से उत्पादित करने के लिए किया जाता है। कृषि से प्राप्त उपज एक देश से दूसरे देश में व्यापार को बढ़ाती है, किसानों के लिए आय लाती है, अन्यथा बेकार पड़ी भूमि का उत्पादक उपयोग करती है, और मेज पर भोजन लाती है। यह हर किसी के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि इसे प्रत्यक्ष कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि उपज उन सभी के हाथों तक पहुंचने से पहले एक लंबा रास्ता तय करती है जो इससे लाभान्वित होते हैं। भारतीय कृषि भारत की जीडीपी में 18.6 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 59 प्रतिशत भारतीय कृषि क्षेत्र से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। समाज के लिए इसके महत्व के कारण, इसे समय के साथ विकसित होना चाहिए और आधुनिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समायोजित होना चाहिए। कृषि प्रगति को बेहतर बनाने में मदद के लिए आईटी को अपनाने और उसका उपयोग करने से, इन क्षेत्रों के मिलन से सभी को लाभ होता है। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में हमारे राज्य ने पिछले पांच वर्षों में चौथी बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है। यह किसानों और अन्य हितधारकों के लिए प्रौद्योगिकियों की मदद से अधिक रुचि लेने का उदाहरण स्थापित करता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल को युवाओं और महिलाओं को अपने गुस्से से रुलाना होगा। उन एजेंडों को चुनाव घोषणापत्रों में इस तरह रखना होगा कि युवा मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। बीजेपी जहां 370 और 400 की बात कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल, वेस्ट व साउथ में एक-दूसरे से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वह बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों से सत्ताधारी पार्टियां ने जनाधार खोकर फिर बापसी भी की है जहाँ उन्होंने कर्नाटका और हिमाचल खोया वहीँ हार से सबक लेकर राजस्थान, मप्र, और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की है हाशिए पर जा रही हैं, ऐसे में बीजेपी या नरेंद्र मोदी का उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना कोई कोरी कल्पना नहीं लगती। है। अब युवावस्था और परिपक्वता पर संदेह करना बेमानी होगा। इसलिए अब युवा क्रांतिकारियों के जाल में नहीं फंसने वाले हैं, ऐसे में कोई ठोस रणनीति ही युवाओं को प्रभावित कर उनका सर्वेक्षण कर सकेगी। इसलिए, प्रिय युवाओं, कृपया समझ लें कि वे आगामी लोकसभा की तस्वीर बनाएंगे और 18वीं लोकसभा की सत्ता पूरी तरह से युवाओं के हाथ में है और युवा ही अपने दम पर सत्ता की सीढ़ियां पार करते हैं।

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

(लेखक - ललित गर्ग)

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाड़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं। अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है। चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है। इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती।

भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये। सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए। उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे। सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है। ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यक और उसमें भी सबसे अधिक मुस्लिमों का है, उस प्रकार से कांग्रेस की यह मुसलमानों को लुभाने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने की अघोषित चुनावी घोषणा है, इस तरह की घोषणाएं लोकतंत्र में सुशासन एवं राजनीति मूल्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा ही कही जायेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता बादशाह नहीं होता बल्कि साधारण मतदाता बादशाह होता है क्योंकि उसके ही एक वोट से सरकारें बनती और बिगड़ती हैं। मतदाता को जो मूर्ख समझते हैं उनसे बड़ा मूर्ख दूसरा नहीं होता। ऐसे तथाकथित बयानों से भारत में संसदीय प्रणाली का लोकतंत्र कभी भी प्रभावित नहीं होगा, वह सफल रहा है और रहेगा क्योंकि भारत के लोग अनपढ़ व गरीब हो सकते हैं मगर वे अज्ञानी या मूर्ख नहीं है। उनका व्यावहारिक ज्ञान बहुत मजबूत होता है और वे राजनीतिक दलों के भ्रम में नहीं आने वाले, गुमराह नहीं होने वाले। यह सच है कि जब से भारत में जातिवादी, क्षेत्रवादी, भाषावादी, वर्गवादी व सम्प्रदायवादी राजनीति का बोलबाला हुआ है तभी से राजनीति के विमर्श में गिरावट आनी शुरू हुई है, लेकिन इस गिरावट को संभालने के लिये मतदाता को अधिक परिवक्व एवं समझदार होने की अपेक्षा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

विचार मंथन

आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला, याचिकायें खारिज, मतदाताओं में मायूसी

(लेखक - सनत जैन)

वीवीपेट, ईवीएम मशीन और मतदाता पर्ची की गिनती करने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जो दो याचिकाएं लगाई गईं थीं, उनमें मांग की गई थी, कि वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियों की गिनती कराई जाए। जो पर्ची मशीन से निकलती है, उसे मतदाता के हाथ में दी जाए। मतदाता स्वयं पर्ची को बैलट बॉक्स में डाले। यदि यह संभव न हो, तो वीवी पेट में जो काला कांच लगा है, जो लाइट 7 सेकंड के लिए जलती है। उस वीवीपेट मशीन का ग्लास बदल दिया जाए। ताकि मतदाता ने जिसे वोट दिया है, उसे देख पाए। मतदाता के सामने ही पर्ची कटकर वैलिड बॉक्स में गिरी है, या नहीं, यह मतदाता सुनिश्चित कर सकें। तीन बार सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जिस तरह के संकेत मिल रहे थे। उससे लग रहा था, इस मामले में याचिका कर्ताओं को कोई राहत मिलने वाली नहीं है। इसके पहले भी चुनाव आयोग से संबंधित याचिकाओं को यही बेंच खारिज कर चुकी थी। यह याचिका लंबे समय से सुनवाई के लिए लंबित थी। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद, इसमें सुनवाई शुरू हुई। याचिकाकर्ता 100 फ़ीसदी मतदाता पर्चियों की गिनती की मांग कर रहे थे। इस मांग को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं माना। सभी याचिकाओं को निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 45 दिन तक कंट्रोल मशीन को सील कर सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। वहीं 7 दिन के अंदर दूसरे या तीसरे नंबर का उम्मीदवार अपने खर्चे पर कंट्रोल यूनिट की जांच की मांग कर सकता है। इसकी मांग करने वाले उम्मीदवार को उसका खर्च देना पड़ेगा। यदि कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई, तो उम्मीदवार के द्वारा जमा की गई राशि वापस नहीं की जाएगी। गड़-बड़ी पाए जाने पर उम्मीदवार को राशि वापस कर दी जाएगी।

पिछले कई महीनों से ईवीएम, वीवीपेट मशीन तथा कंट्रोल यूनिट की कार्यप्रणाली को लेकर आंदोलन किये जा रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के कई अधिवक्ताओं ने भी धरना-प्रदर्शन करके वीवीपेट से निकलने वाली सभी पर्चियां की गिनती कराने की मांग की थी। सारे देश में मतदाताओं द्वारा 100 फ़ीसदी मतदाता पर्ची गिनने की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में निराशा है। चुनाव आयोग के आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलते हुए, सरकार ने जो कानून बनाया है, उसमें सरकार द्वारा जिन दो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति अधिसूचना जारी होने के 1 दिन पहले की गई है। उस नियुक्ति को लेकर भी लोगों में चुनाव आयोग के प्रति विश्वास कम हुआ है। लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर भी सारे लोग हैरान हैं। विपक्ष द्वारा की गई शिकायतों पर चुनाव आयोग मौन साध कर बैठ जाता है। सत्ता पक्ष की शिकायत पर विपक्ष पर तुरंत कार्रवाई कर दी जाती है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सरकार और चुनाव आयोग को राहत देने वाला फैसला माना जा रहा है। आम मतदाताओं की मांग और आशंकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने विचार नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से निष्पक्ष चुनाव होगा। इस पर मतदाताओं का संदेह कम होने की बजाय और बढ़ जाएगा। मतदाताओं में पहले ही निराशा थी। इस फैसले के बाद यह निराशा और भी बढ़ेगी। सत्ता पक्ष द्वारा जब यह दावा किया जाता है, इस बार 400 पार, यह दावा ईवीएम मशीन और वीवीपीएटी की कार्य प्रणाली को लेकर किया जा रहा है? यह बात मतदाता के मन में बैठ चुकी है। चुनाव आयोग जिस तरह से गांधी जी के तीन बंदर बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, और बुरा मत बोलो, की तर्ज पर सरकार के समर्थन में बैठा हुआ है। इसको देखते हुए लोगों को चुनाव पर कितना विश्वास रहेगा, कहा नहीं जा सकता है। वीवीपेट से निकली हुई पर्ची की 100 फीसदी गिनती और वीवी पेट से सही पर्ची प्रिंट हुई है। यह जानने का अधिकार मतदाता का है। सुप्रीम कोर्ट से यह आशा की जा रही थी, कम से कम आमजनता के इस अधिकार को बनाए रखने में, सुप्रीम कोर्ट का फैसला मतदाताओं के पक्ष में आएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से मतदाताओं को निराशा ही मिली है। लोकतंत्र की रीड की हड्डी चुनाव पर यदि मतदाताओं को भरोसा नहीं रहेगा, तो भारतीय लोकतंत्र और संविधान भी सुरक्षित नहीं रहेगा यह लोगों का मानना है।

हवाई किराया हो सकता है सस्ता

मुंबई । नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई यात्रियों के लिए उड़ान के आधार पर किराए को और अधिक किफायती बनाने को लेकर निर्देश दिया है। इसमें एयरलाइंस द्वारा निर्धारित हवाई किराए में उनके द्वारा प्रदान की गई कुछ सेवाओं के लिए शुल्क का भी जिक्र किया गया है। इस निर्देश के तहत डीजीसीए की ओर से यात्रियों के लिए अनावश्यक सुविधाओं को शुल्क हटाने की बात कही गई है। डीजीसीए की ओर से बताया गया कि अनावश्यक सुविधाओं और उनके शुल्कों को हटा देने से मूल किराया अधिक किफायती हो सकता है। ऐसा होने से यात्रियों को उन सेवाओं के लिए भुगतान करने का विकल्प मिल जाता है, जिनका वह लाभ उठाना चाहता है। अपने निर्देश में डीजीसीए की ओर से सात सेवाओं की एक सूची का उल्लेख किया है। डीजीसीए के इस कदम से आगामी समय में लोगों के लिए हवाई यात्रा सस्ती हो सकती है।

बजाज फाइनेंस के शेयर आठ फीसदी गिरे

नई दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार को करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर शेयर 7.64 प्रतिशत गिरकर 6,736.15 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.60 प्रतिशत फिसलकर 6,740 रुपये पर रहा। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,825 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,158 करोड़ रुपये रहा था। बजाज फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि एकीकृत आधार पर मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 14,932 करोड़ रुपये रही, जो 2022-23 की इसी तिमाही में 11,368 करोड़ रुपये थी।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः डेलॉयट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष 2024-25 में डेलॉयट इंडिया ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे।डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है। डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है। जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था। डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। बाजार अपने निवेश तथा उपभोग निर्णयों में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को ध्यान में रखना सीख रहे हैं। डेलॉयट इंडिया की एक अर्थशास्त्री ने कहो ` कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2025 में एक समकालिक बदलाव देखने की उम्मीद है क्योंकि प्रमुख चुनावी अनिश्चितताएं दूर हो जाएंगी और पश्चिम के केंद्रीय बैंक 2024 में बाद में कुछ दरों में कटौती की घोषणा कर सकते हैं। भारत में पूंजी प्रवाह में सुधार और निर्यात में उछाल देखने की भी संभावना है।

तेजी से बढ़ रही है भारत की अर्थव्यवस्थाः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों और रिजर्व बैंक ने मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की अच्छी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान दिया है। कई देशों में महंगाई का दबाव फिर बढ़ा है, लेकिन सरकार और आरबीआई के प्रयासों से भारत में महंगाई घटी है। इस बार मॉनसूनी बारिश सामान्य से अधिक होने के अनुमानों को देखते हुए अच्छी फसल होने और महंगाई और घटने की संभावना है।` वित्त मंत्रालय ने मंथली इकनॉमिक रिव्यू में ये बातें कहीं। रिव्यू में कहा गया है` कि वित्त वर्ष 2024 में रिटेल इंफ्लेशन में काफी कमी आई। यह कोविड महामारी के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। मार्च में कोर इंफ्लेशन 3.3 फीसदी रही। 2024 में मॉनसून सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान फसलों के लिए शुभ संकेत है और इससे महंगाई की चिंता घटेगी। फरवरी में फूड इंफ्लेशन 8.66 फीसदी और मार्च में 8.52 फीसदी थी। सब्जियों के दाम फरवरी में 30.25 फीसदी चढ़े थे। मार्च में वेजिटेबल इंफ्लेशन 28.3 फीसदी पर आ गई थी। दालों में महंगाई दर फरवरी के 18.9 फीसदी से घटकर मार्च में 17.7 फीसदी हो गई थी। ओवरऑल रिटेल इंफ्लेशन फरवरी के 5.1 फीसदी से घटकर मार्च में 4.85 फीसदी हो गई थी। रिव्यू में कहा गया कि वैश्विक व्यापार में सुस्ती आ रही है, लेकिन चुनौतियों के बावजूद भारत का व्यापार घाटा आने वाले वर्षों में कम होने की उम्मीद है क्योंकि पीएलआई स्कीम का दायरा बढ़ रहा है।

जापानी कंपनी मैनावी ने एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की

नई दिल्ली । जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व जुटाना है। इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए। एविग्न के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा और कंपनी के सह-संस्थापकों के पास भी बड़ी हिस्सेदारी बनी रहेगी। इस अधिग्रहण के तहत निदेशक मंडल में बदलाव होंगे क्योंकि मैनावी के पास बहुलांश हिस्सेदारी होगी। हालांकि, संचालन स्तर वही रहेगा। मैनावी हमारी कंपनी में किसी भी संचालक की नियुक्ति नहीं करेगी। हालांकि, उन्होंने अधिग्रहण के वित्तीय विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया।

इंडिगो ने दिया 30 ए 350-900 विमानों का ऑर्डर

मुंबई।

सार्वज निक विमानन कंपनी इंडिगो ने यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस को चौड़ी बॉडी वाले 30 ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर 4 से 5 अरब डॉलर का हो सकता है। देश में विमान यात्रा की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए देसी विमानन कंपनियां पिछले साल से अब तक विमान खरीदने के लिए 4 बड़े ऑर्डर दे चुकी हैं। टाटा के एयर इंडिया समूह ने फरवरी 2023 में 470 विमानों के लिए ऑर्डर दिए थे। उसने एयरबस को 250 विमान और अमेरिकी कंपनी बोइंग को 220 विमान का ऑर्डर दिया था। इंडिगो ने जून 2023 में एयरबस को 500 ए320नियो विमानों का ऑर्डर दिया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था। नई विमानन कंपनी अकासा एयर ने जनवरी 2024 में बोइंग को 150 बी737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था। आज के ऑर्डर की खासियत यह है कि इंडिगो पहली बार चौड़ी बॉडी वाले विमान खरीद रही है। उसके बेड़े में चौड़ी बॉडी वाले 2 बी 777 विमान पहले से हैं मगर वे टर्किश एयरलाइंस से पट्टे पर लिए गए हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि इन विमानों का सटीक रंगरूप बाद में तय किया जाएगा। उम्मीद है कि विमान 2027 से मिलने शुरू हो जाएंगे। इंडिगो के पास कुछ शर्तों के साथ 70 एयरबस ए350 विमान खरीदने का भी अधिकार है। उनका ऑर्डर भविष्य की जरूरतों के हिसाब से दिया जाएगा। चौड़ी बॉडी वाले विमानों ईंधन टैंक और इंजन संकरी बॉडी वाले विमानों के मुकाबले बड़े होते हैं। इसलिए इन विमानों को लंबी दूरी की उड़ान में इस्तेमाल किया जा सकता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्र से जारी तेजी भी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 609.28 अंक करीब 0.82 फीसदी नीचे आकर 73,730.16 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 150.40 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी नीचे आकर 22,419.95 के स्तर पर बंद हुआ।

शुक्रवार के कारोबार में टेक महिन्द्रा , डिविस लैब, एलटीआई माइंडट्री , बजाज ऑटो और बीपीसीएल निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्टले इंडिया, इंडसइंड बैंक और एमएंडएम सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुए थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह से भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के अनुसार मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। इससे प्रीमियम लक्जरी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की मांग भी बढ़ी है।

इससे पहले आज सुबह सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, एनटीपीसी, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रुप से लाभ में कारोबार कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्की 225 0.32 फीसदी बढ़ा, जबकि व्यापक आधार वाला टॉपिक्स सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़ा, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.86 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

यूरोपीय देश भी 525 से ज्यादा भारतीय सामानों पर लगा चुका है प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

अभी कुछ दिन पहले सिंगापुर और हांगकांग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन क्या आपको पता है कि सितंबर 2020 से अभी तक यूरोपीय देश भी 525 से भी ज्यादा भारतीय सामानों पर प्रतिबंध लगा चुका है। ईयू के मुताबिक इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए हैं। एक खबर के मुताबिक सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय संघ इयू ने 527 भारतीय वस्तुओं को कंटेमिनेटेड पाया। संघ का कहना है कि इन सामानों में कैंसर पैदा करने वाले रसायन पाए गए। यूरोपीय संघ के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिन भारतीय सामानों को प्रतिबंध किया उनमें से अधिकांश मेवे और तिल के बीज (313), जडी-बूटी और मसाले (60), डायबेटिक व्यक्ति के लिए खाद्य पदार्थ (48) और अन्य खाद्य उत्पाद (34)। इन सामानों के 87 कंशाइनमेंट को देश के बार्डर पर ही रोक दिया गया था, जबकि शेष को बाद में बाजारों से हटा दिया गया था। अभी सिंगापुर और हांगकांग में जो भारतीय मसालों पर प्रतिबंध लगा है, उनमें एथिलीन ऑक्साइड पाया गया था। इसे कैंसर पैदा करने वाला रसायन माना जाता है। इसी के कारण हांगकांग और सिंगापुर में भारतीय उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा नियमित रूप से भारतीय उत्पादों में यही रसायन पाया गया था, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर की बढ़त के साथ 89.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.28 डॉलर उछलकर 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की

- मिलेंगे शानदार फीचर्स और डिजाइन

नईदिल्ली ।

हाल ही में लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की हैं। यह वॉच कोरनिंग गोरिल्ला ग्लास 3 और हाई एक्यूरेसी के साथ लॉन्च हुई इस वॉच की कीमत भी बहुत कम है। इस वॉच की शुरुआत 2,599 रुपए से होती है। इसकी मदद से हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्टिव फीचर्स मिलते हैं। लावा की इस स्मार्टवॉच में आपको 1.43 इंच अमोलेड डिस्प्ले भी दिया जा रहा है जो 466*466 रेजोल्यूशन के साथ आता है। इसमें आपको हेल्थ फीचर्स भी अलग से दिए जाते हैं और 110 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स भी मिलते हैं। स्मार्ट नोटिफिकेशन, 150 वॉच फेस और फास्ट चार्जिंग भी इसका एक फीचर है। यूजर एक्सपीरियंस भी इससे काफी अलग होने वाला है। क्योंकि ये लाइट वेट भी है जो आपको काफी लंबी बैटरी लाइफ भी देती है। लावा की तरफ से अपनी इस वॉच की 24 महीने की वारंटी दी जा रही है। यानी आपको 2 साल तक बिल्कुल चिंता करने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि एक बार खरीदने के बाद आपको लंबे समय तक कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। ट्रैकिंग हेल्थ और अन्य फीचर्स भी इसे

काफी अलग बनाते हैं। हाई परफॉर्मेंस रियलटेक चिपसेट आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस ऑफर करता है। आईपी 68 वॉटर रेसिसटेंट रेटिंग की वजह से आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस भी होने वाला है। प्रोवॉच वीएन भी ऐसा ही प्रोडक्ट है और इसे खरीदने के लिए आपको 1,999 रुपए खर्च करने होंगे। प्रोवॉच झेन और वीएन को आप 26 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीद सकते हैं।प्रोवॉच झेडएन वर्जन को 2 वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। पहला वालीरियान ग्रे और ड्रेगनग्लास ब्लेक में लाया गया है। नॉर्मल यूसेज में आपको 7 दिन का नॉर्मल यूसेज टाइम मिलने वाला है।

स्वीगी 120 करोड़ डॉलर का आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाना पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी 1.2 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर` विचार कर रही है। बताया जा रहा है` कि स्विगी के इस प्रस्ताव को उसके शेयरधारकों ने मंजूरी दे दी है। बेंगलूरु की यह कंपनी नए शेयर जारी कर करीब 3,750 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। वह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिये 6,664 करोड़ रुपए और आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से करीब 750 करोड़ रुपए जुटाने के बारे में भी सोच रही है। स्विगी का आईपीओ इसी साल आ सकता है। मगर अभी तक उसने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम के दस्तावेज जमा नहीं कराए हैं। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के अनुसार स्विगी में सबसे अधिक करीब 32 फीसदी हिस्सेदारी प्रोसस की है। उसमें सॉफ्टबैंक की 8 फीसदी, एस्सेल की 6.2 फीसदी, संस्थापक समूह की 6.7 फीसदी और एलिवेशन कैपिटल की 4.4 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके अलावा नॉर्वेस्ट, टेनसेंट, डीएसटी ग्लोबल और अल्फा वेव ने भी स्विगी में निवेश किया है। आईपीओ को शेयरधारकों की मंजूरी का खुलासा हाल ही में हुई स्विगी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के एक दिन बाद हुआ है।

31 मई तक पैन को आधार से नहीं जोड़ा तो दोगुना कटेगा टीडीएस

मुंबई ।

इनकम टैक्स डिपार्टेमेंट ने उन टैक्सपेयर्स को राहत देने की बात कही है जो 31 मई तक अपने पैन को आधार से लिंक करवा देंगे। विभाग ने कहा है कि अगर 31 मई तक पैन कार्ड से आधार लिंक होता है तो टीडीएस की कम कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स और कारोबारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। इनकम टैक्स विभाग के नियमों के मुताबिक अगर पैन कार्ड आधार नंबर के साथ लिंक नहीं है तो दोगुनी रेट के साथ टीडीएस कटौती की जाएगी। लेकिन टैक्सपयर्स ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स को टैक्सपेयर्स से कई शिकायतें मिलीं कि उन्हें पता ही नहीं था कि पैन-आधार लिंक नहीं करने से उन्हें इतना नुकसान हो सकता है। कई प्रॉपर्टी खरीदारों को अपनी जेब से 19 फीसदी टीडीएस का भुगतान करना पड़ा। टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि जिन लोगों ने 30 जून 2023 तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं कराया था, उन लोगों का पैन कार्ड निष्क्रिय हो गए थे। इनकम टैक्स` विशेषज्ञों ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग ने टीडीएस टीसीएस कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स के साथ-साथ कारोबारियों को बड़ी राहत इसलिए दी है क्योंकि पता ही नहीं चलता था कि किसका आधार-पैन लिंक नहीं है।

बाद में नोटिस आते थे और पेनल्टी लगती थी। असल में लोगों ने शिकायत की कि विभाग ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं नहीं थी, जिसमें यह पता चले कि पैन-आधार लिंक है या नहीं। बिजनेसमन भी जो टीडीएस काटते थे, उन्हें भी समस्या हो रही थी, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चलता था कि जिन्होंने लिंक नहीं करवाया है, अब विभाग ने कहा है कि वे यूटिलिटी प्रोवाइड करवाएंगे और जिन्हें नोटिस मिला है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आईसीआईसीआई बैंक ने 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए

- क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद उसने लगभग 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस समस्या की चपेट में आए क्रेडिट उसके कुल कार्ड पोर्टफोलियो का केवल 0.1 प्रतिशत हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इन सभी कार्ड को ब्लॉक कर दिया गया है और ग्राहकों को नये कार्ड जारी किए जाएंगे। बयान के मुताबिक इन कार्ड में से किसी भी कार्ड के दुरुपयोग का कोई मामला हमारे संज्ञान में नहीं लाया गया है। हालांकि, हम आश्वस्त करते हैं कि किसी भी वित्तीय नुकसान के मामले में बैंक ग्राहक को उचित मुआवजा देगा।

टी20 विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम

रोहित-कोहली कर सकते हैं ओपनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। **आईपीएल** 2024 में हर मैच के साथ पुरुष टी20 विश्व कप चयन के लिए दावेदारों की सूची में एक नया नाम जुड़ जाता है। दूसरी ओर कुछ लोग अपने शानदार प्रदर्शन के माध्यम से अग्रणी बनने की ओर अग्रसर हैं। यह सब अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए पिछले प्रदर्शन के आधार पर या आईपीएल 2024 में मौजूदा फॉर्म के आधार पर खिलाड़ियों को 15 सदस्यीय भारतीय टीम को अंतिम रूप देना बड़ी समस्या बना देता है। टी20 विश्व कप के लिए टीम का ऐलान होना अभी बाकी है लेकिन किन सदस्यों को जगह मिल सकती है इस पर नजर डाल लेते हैं-

रोहित शर्मा (कप्तान)

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस साल फरवरी में घोषणा की थी कि वह मेगा इवेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2024 के आठ मैचों में रोहित ने 162.9 की स्ट्राइक रेट के साथ 303 रन बनाए हैं जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 105 रन भी शामिल हैं।

विराट कोहली

रोहित ने अफगानिस्तान श्रृंखला में जयसवाल और गिल के साथ ओपनिंग की, जबकि कोहली ने दो मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की, यह विश्व कप के लिए बदल सकता है। आईपीएल 2024 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी कोहली को रोहित के साथ सलामी बल्लेबाजी करने के लिए अपग्रेड किया जा सकता है।

सूर्यकुमार यादव

शीर्ष क्रम के पुरुष टी20आई बल्लेबाज पिछले कुछ वर्षों में अपने अपरंपरागत स्ट्रोकप्ले और उससे लगातार रन बनाने के कारण शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से लौटने के बाद सूर्यकुमार दो शून्य के बावजूद अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं जिन्होंने पांच पारियों में 140 रन बनाए हैं।

ऋषभ पंत

दिसंबर 2022 में एक जानलेवा कार दुर्घटना में लगी विभिन्न चोटों से उबरने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के बाद से बाएं हाथ का विकेटकीपर-बल्लेबाज अपनी सर्वश्रेष्ठस्थिति में वापस आ रहा है। आईपीएल 2024 के 9 मैचों में पंत ने नौ पारियों में 48.86 के औसत और 161.32 के स्ट्राइक-रेट से 342 रन बनाए हैं। विकेटकीपर के रूप में पंत बेहद प्रभावशाली रहे हैं, उन्होंने 10 कैच लपके और तीन स्टंपिंग की।

शिवम दुबे

जब से चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले अपने साथ जोड़ा है, तब से दुबे टी20 में बल्लेबाजी के मामले में सचमुच उलटफेर कर गए हैं। दुबे को मध्य ओवरों में स्पिन-हिटर होने की भूमिका दी गई थी, जिसमें उन्होंने अपनी लंबी पहुंच और शक्तिशाली शॉट्स की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अपने शानदार आईपीएल 2023 के आधार पर उन्होंने भारत की टी20आई टीम में वापसी की और अफगानिस्तान श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी हासिल किया।आईपीएल 2024 में भी दुबे ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे, खासकर शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जो लंबे समय से उनकी दुश्मन रही है।

हार्दिक पांड्या

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर बल्ले और गेंद दोनों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, साथ ही आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के नेता भी हैं। लेकिन उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी दुबे को प्रभाव खिलाड़ी नियम के कारण आईपीएल 2024 में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। इसका मतलब है कि हार्दिक अपने कौशल के कारण 15 सदस्यीय टीम में शामिल हो जाएंगे।आईपीएल 2024 में हार्दिक उतने शानदार हिटर नहीं रहे, जितने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने 8 पारियों में केवल 151 रन बनाए और केवल सात छक्के लगाए। गेंद के साथ उन्होंने केवल 17 ओवर फेंके और 10.94 की इकॉनमी रेट से सिर्फ चार विकेट लिए।

रिंकू सिंह

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी की आखिरी 5 गेंदों पर पांच छक्कों के साथ सुर्खियां बटोरीं। एक ऐसा सीजन जहां उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग कौशल दिखाया। वह साल के अंत में भारत के लिए टी20आई में पदार्पण किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए जिनमें से सात में 176.23 की उच्च स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। हालांकि उन्हें आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए फिनिशर बनने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

रविंद्र जड़ेजा

जडेजा ने आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चार विकेट लिए हैं और बल्ले से 157 रन बनाए हैं जिसमें कई बार बल्लेबाजी करते समय फ्री होने के लिए संघर्ष करना भी शामिल है। वेस्टइंडीज में पहले खेलने और प्रारूप में एक क्लच खिलाड़ी होने का उनका अनुभव, विशेष रूप से उनकी गेंदबाजी को मदद करने वाली परिस्थितियां उन्हें विश्व कप के लिए एक योग्य खिलाड़ी बनाती हैं।

कुलदीप यादव

आईपीएल 2022 से पहले दिल्ली कैपिटल्स द्वारा चुने जाने के बाद से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर का इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन रहा है। तब से आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन (छह मैचों में 12 विकेट सहित), अंतरराष्ट्रीय वापसी और 5 विकेट लेने के साथ पिछले साल अपने जन्मदिन पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विकेट लेने वाले कुलदीप का वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप में भारत के लिए मुख्य स्पिनर बनना निश्चित है।

जसप्रीत बुमराह

भारत को बुमराह के एक्स-फैक्टर की बहुत कमी खली, जब वह पीठ की चोट के कारण 2022 टी20 विश्व कप से चूक गए थे जिसके लिए सर्जरी की जरूरत थी। लेकिन तब से बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अब 2024 टी20 विश्व कप में भारत के लिए नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आईपीएल 2024 में बुमराह आठ मैचों में 13 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

अर्शदीप सिंह

मोहम्मद शमी अकिलिस सर्जरी से उबर रहे हैं और मोहम्मद सिराज आईपीएल 2024 में सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं, इसका मतलब है कि अर्शदीप की भूमिका उस प्रारूप में बहुत अधिक महत्वपूर्ण होगी जिसने भारतीय टीम में उनके प्रवेश को प्रशस्त किया और 2022 टी20 विश्व कप में 10 विकेट लिए। हालांकि अंतरराष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ आईपीएल 2024 में भी उनका फॉर्म ऊपर-नीचे होता रहा है, लेकिन पावर-प्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने का अर्शदीप का कौशल विश्व कप में भारत के लिए उपयोगी हो सकता है।

आवेश खान

आवेश ने आईपीएल 2024 में अपनी डेथ ओवरों की गेंदबाजी में काफी सुधार दिखाया है और 9.41 की इकॉनमी रेट के साथ 8 विकेट लिए हैं, जिसमें उनकी वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदें शामिल हैं। डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करने के अलावा, अगर भारतीय टीम सिराज का चयन नहीं करती है तो आवेश जरूरत पड़ने पर बीच के ओवरों में भी दमदार भूमिका निभा सकते हैं।

यशस्वी जयसवाल

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज का आईपीएल 2024 में लगातार कम स्कोर रहा, लेकिन उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंदों में शतक बनाकर फॉर्म में वापसी की। मिश्रण में शुबमन गिल के साथ मुख्य रूप से विविधता और आक्रामकता के कारण चयनकर्ताओं द्वारा जयसवाल को मंजूरी दी जा सकती है, हालांकि काफी हद तक कोहली-रोहित ओपनिंग कॉम्बिनेशन की मांग उठ रही है।

अक्षर पटेल

विश्व कप टीम के लिए दावेदारी में विशेषज्ञ लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और रवि बिश्नोई हैं, लेकिन अक्षर मुख्य रूप से अपने हरफनमौला कौशल के कारण सबसे आगे हैं। हालांकि उन्होंने गेंद से ज्यादा विकेट नहीं लिए हैं, लेकिन अक्षर कुलदीप के साथ मिलकर काम करते हुए होल्डिंग का काम करने में सक्षम हैं। बल्ले से उनका तीन पर प्रमोशन मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि उन्होंने 66 का आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और स्पिनरों के खिलाफ खूब बाउंड्री लगाईं। इसके अलावा, वह एक बहुत ही उपयोगी क्षेत्ररक्षक भी हैं, जो चहल और बिश्नोई की तुलना में विश्व कप में पहुंचने का उनका दावा मजबूत बनाता है।

मैंने वो हर बल्ला संभाला है जिसने मैंने शतक लगाया: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभालकर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे। उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की 'डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज' पहल के मौके पर यह बात कही।2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है। इस पर स्टिकर्स लगे हैं। हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है। उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है। उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे। गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा कि मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा। गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स फिलहाल अंक तालिका में छठे स्थान पर चल रही है। उसने 9 में से चार मुकाबले जीते हैं। बीते दिनों दिल्ली ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। अब उनके आगामी मुकाबले मुंबई, कोलकाता, राजस्थान, बेंगलुरु और लखनऊ से होने हैं। उन्हें प्लेऑफ में जाने के लिए सभी मुकाबलों में जीतना जरूरी है।

तीन मेडन ओवर, 0 रन और 7 विकेट, डेब्यू मैच में 17 साल की क्रिकेटर ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इंडोनेशिया (एजेंसी)। इंडोनेशियाई महिला टीम की क्रिकेट गेंदबाज रोहमालिया ने बाली के उदयना क्रिकेट ग्राउंड में 6 मैचों की श्रृंखला के पांचवें टी20आई मैच में मंगोलिया के खिलाफ सबसे उत्कृष्ट गेंदबाजी आंकड़े दर्ज करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 17 वर्षीय रोहमालिया ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत को चौंका दिया क्योंकि उन्होंने 24 अप्रैल को अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर 7 विकेट लिए, जो टी20आई क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े थे। उन्होंने अपने 3.2 ओवर के स्पैल में तीन मेडन ओवर फेंके और एक भी रन नहीं दिया।

दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर रोहमालिया की मदद से इंडोनेशिया की महिलाओं ने मंगोलिया की महिलाओं को 127 रनों से हरा दिया।किशोर सनसनी ने नीदरलैंड के फ्रेडरिक ओवरडिज्क के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2021 में ला मंगा क्लब टॉप ग्राउंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप यूरोप क्षेत्र क्वालीफायर में एक मैच के दौरान फ्रांस के खिलाफ 4-2-3-7 के आंकड़े के साथ रिकॉर्ड बनाया था। रोहमालिया ने ओवरडिज्क, अर्जेंटीना की महिला एलिसन स्टॉक्स और मलेशिया की सियाजरुल एज़ात इद्रस के बाद टी20आई में सात विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराया। रोहमालिया ने टी20आई डेब्यू में सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों का एक नया रिकॉर्ड भी बनाया क्योंकि उन्होंने 2019 में मालदीव के खिलाफ नेपाल के लिए अंजलि चंद के 2.1-2-0-6 के स्पैल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

राहुल द्रविड़ हाफ पैंट और टीशर्ट में वोट डालने के लिए लाइन में लगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज क्रिकेटर और फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने आज बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी में अपना वोट डाला। वह कैजुअल कपड़े पहनकर पहुंचे थे, जबकि वोट डालने के लिए कतार में खड़े नजर आए। उनकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया और क्रिकेटर की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। एक एक्स यूजर ने ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया है। उसने लिखा- वोटिंग लाइन में द वॉल, उनका कहना है कि उन्होंने राष्ट्रहित और भारत को वैश्विक नेता बनाने के लिए मतदान किया।वीडियो में द्रविड़ नीली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं। वह अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए हाथों को क्रॉस करके खड़े हैं। कुछ घंटे पहले शेयर किए जाने के बाद से इस वीडियो को करीब लाख बार से अधिक देखा जा चुका है। इस पोस्ट पर कॉमेंट्स काफी रोचक हैं।राहुल द्रविड़ की क्लिप पर एक्स यूजर्स ने इस तरह प्रतिक्रिया दी-एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, %वह सर्वश्रेष्ठ हैं। एक अन्य ने कहा, यही असली धन है। उसके पास अपना स्थान है। तीसरे ने कहा, मैं उन्हें जानता हूं। वह बहुत विनम्र व्यक्ति हैं। चौथे ने टिप्पणी की, सादगी का साकार रूप। एक अन्य ने कॉमेंट किया- वाह, यह कमाल है! ऐसे ऊंचे पद पर बैठे किसी व्यक्ति को वास्तविक और व्यावहारिक रूप से व्यवहार करते देखना बहुत अच्छा लगता है। सादगी वाकई सबसे बढ़िया वाइब्स का एहसास कराती है।

हैदराबाद ने पहली बार एक सीजन में ठोके 100 से ज्यादा छक्के, नजरें विश्व रिकॉर्ड तोड़ने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आईपीएल 2024 सीजन में धूम मचा रखी है। बेंगलुरु के खिलाफ राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलते हुए हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जैसे ही पहला छक्का लगाया, हैदराबाद सीजन में 100 छक्के पूरे करने वाली पहली टीम बन गई है। खास बात यह है कि हैदराबाद अब तक किसी सीजन में 100 से ज्यादा छक्के लगा नहीं पाई थी लेकिन इस बार उन्होंने यह जादूई आंकड़ा 8वें मैच में ही हासिल कर लिया। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने 2022 सीजन में 97, 2016 सीजन में 89 तो 2018 सीजन में 88 छक्के लगाए थे। अब 8 मैचों में ही वह 108 छक्के लगा चुकी है।

सीजन के अनुसार आईपीएल में एक टीम द्वारा सर्वाधिक छक्के

- 2008- पंजाब किंग्स - 15 मैचों में 95 छक्के
- 2009- डेक्कन चार्जर्स - 16 मैचों में 99 छक्के
- 2010- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 97 छक्के
- 2011- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 94 छक्के
- 2012- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 117 छक्के
- 2013- मुंबई इंडियंस - 19 मैचों में 117 छक्के
- 2014- पंजाब किंग्स - 17 मैचों में 127 छक्के
- 2015- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 120 छक्के
- 2016- रॉयल चैलेंजर्स बेनागलुरु - 16 मैचों में 142 छक्के
- 2017- मुंबई इंडियंस - 17 मैचों में 117 छक्के
- 2018- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 145 छक्के
- 2019- कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 मैचों में 143 छक्के
- 2020- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 137 छक्के
- 2021- चेन्नई सुपर किंग्स - 16 मैचों में 115 छक्के
- 2022- राजस्थान रॉयल्स - 17 मैचों में 137 छक्के
- 2023- मुंबई इंडियंस - 16 मैचों में 140 छक्के
- 2024*- सनराइजर्स हैदराबाद - 8 मैचों में 108 छक्के

दिल्ली में फिर बरसेंगे रन या गेंदबाजों के लिए कुछ होगा

अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को आईपीएल 2024 फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली। पिछले चार मैचों में से तीन जीतकर वह अंकतालिका में छठे स्थान पर है। मुंबई का हाल भी कुछ ऐसा ही है। टीम को 8 मैच में 3 जीत मिली है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर होगा।

ऐसी होगी दिल्ली की पिच?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर इस सीजन दो मैच हुए हैं। दोनों ही मैचों में रनों की बरसात देखने को मिली है। एक बार फिर इस मैदान पर गेंदबाजों का बुरा हाल होना तय दिख रहा है। डे मैच होने की वजह से टॉस जीतने वाली टीम बैटिंग से सकती है क्योंकि दिल्ली की गर्मी में फील्डिंग करना आसान नहीं होगा। पहले बैटिंग करते हुए टीम को जीत हासिल करना है तो इस मैदान पर 220 से ज्यादा का स्कोर बनाना ही होगा।

दिल्ली के मौसम का हाल

दिल्ली में भयंकर गर्मी पड़ रही है। मैच के दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक जाने की उम्मीद है। मैच शुरू होने के समय दोपहर में साढ़े 3 बजे तापमान 3-38 के आसपास रहने की उम्मीद है। मैच खत्म होने के समय भी यह 33 डिग्री के आसपास रहेगा। पहले फील्डिंग करने वाली टीम को चिलचिलाती धूप में मैदान पर आना पड़ेगा। विदेशी खिलाड़ियों को ज्यादा परेशानी हो सकती है।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

दिल्ली कैपिटल्स-ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3-30 पर शुरू होगा।

न्यूजीलैंड की 'सी' टीम से हारी पाकिस्तान, टी20 सीरीज में 2-1 से पिछड़ी

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान के लिए वीरवार की शाम बेहद खराब गुजरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेल रही पाकिस्तान टीम 2-1 से पिछड़ गई है। सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान की टीम 174 रन ही बना सकी। पाक के लिए इमाद वसीम जब क्रीज पर थे तो आखिरी दो गेंदों पर पाकिस्तान को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी। वसीम ने 5वीं गेंद पर चौका लगा दिया लेकिन आखिरी गेंद पर एक ही रन बना पाए। इस तरह पाकिस्तान को 4 रन से हार झेलनी पड़ी। टी 20 सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण धुल गया था।

बहरहाल, मैच गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत की लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की, हम एक लेंथ पर टिके रहे। बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों में हमने काफी विकेट गंवाए, फखर की पारी लाजवाब थी, दुर्भाग्य से हम लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। इमाद ने भी अच्छी पारी खेली। यह एक अलग सतह थी, यहां औसत स्कोर 190 है और हमने उन्हें रोकने में अच्छा प्रदर्शन किया। चोटों के कारण टीम प्रभावित हुई है लेकिन हमारे लिए युवाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारी योजना अपनी बेंच स्ट्रेंथ का परीक्षण करने की थी और हमने विभिन्न संयोजनों को आजमाया। हम हर खेल में कुछ नया और अलग प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम टी20 वर्ल्ड कप में जाने से पहले सेटल हो जाएंगे।

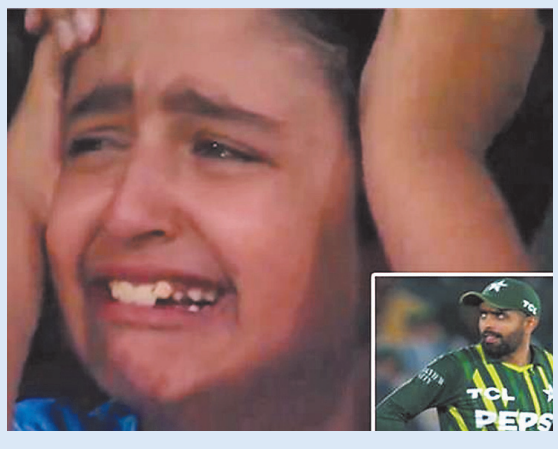

वहीं, न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने कहा कि जब आप युवाओं के बारे में सीखते हैं तो टीम दबाव में होती है। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी की और हमें बराबरी के स्कोर पर रोक दिया। जिस तरह से टिम और ब्लंडेल ने शुरुआत की, उन्होंने हमें शीर्ष पर पहुंचा दिया। हम 200 से पार जाने का सोच रहे थे लेकिन हमें रोकने के लिए पाकिस्तानी गेंदबाजों को श्रेय दिया जाता है। यह हमारे लिए बहुत बड़ी सकारात्मक बात है कि हम नए लोगों को अनुभव दे पा रहे हैं। हमें बैकएंड में गेंदबाजी करते हुए जेम्स नीशम के रूप में एक शानदार ऑलराउंडर मिला। विलियम ओ%रूर्के ने विशेष रूप से शानदार खेल दिखाया और डेथ ओवरों में हमारी गेंदबाजी अच्छी थी।

प्लेयर ऑफ द मैच बने विलियम ओरूर्के ने कहा कि मैंने उन्हें धीमी गेंदें फेंकते देखा और हमने भी धीमी गेंदें फेंकने पर ध्यान केंद्रित किया। नई गेंद अच्छी तरह से स्किड हो रही थी, हमने अच्छी शुरुआत की, गेंद की गति बढ़ने से बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा। हम एक साथ आते हैं और बात करते हैं कि क्या हुआ, हम हर मैच से सीखते हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

न्यूजीलैंड - टिम रॉबिन्सन, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मार्क चैपमैन, जेम्स नीशम, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जोश क्लार्कसन, ईश सोढ़ी, जैकब डफी, बेन सियर्स, विलियम ओ%रूर्के

पाकिस्तान - सईम अयूब, बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, उस्मान खान (विकेटकीपर), इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, इमाद वसीम, उसामा मीर, अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, जमान खान

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिर्च लगाएं बगिया में बहार लायें

पौधशाला (नर्सरी) क्या है?-पौधशाला या रोपणी अथवा नर्सरी एक ऐसा स्थान हैं जहां पर बीज अथवा पौधे के अन्य भागों से नये पौधों को तैयार करने के लिये उचित प्रबंध किया जाता है. पौधशाला का क्षेत्र सीमित होने के कारण देखभाल करना आसान एवं सस्ता होता है.

पौधशाला के लिये स्थान का चुनाव

- पौधशाला के समीप बहुत बड़ा वृक्ष न हो.
- भूमि उपजाऊ, दोमट, खरपतवार रहित तथा अच्छे जल निकास वाली हो, अम्लीय/क्षारीय भूमि का चयन न करें.
- लंबे समय तक धूप रहती हो.
- पौधशाला के पास सिंचाई जल की सुविधा उपलब्ध हो.
- चयनित क्षेत्र अपेक्षाकृत ऊंचा हो ताकि पानी न ठहरे.
- एक फसल के पौध उगाने के बाद दूसरी बार पौध उगाने का स्थान बदल दें. यानी फसल चक्र अपनायें.

रोपणी का आकार

आदर्श नर्सरी या रोपणी के लिये कुल क्षेत्र की सीमा निश्चित तौर पर निर्धारित नहीं की जा सकती है. जितनी फसलों के लिये और जितने क्षेत्र की आवश्यकता के लिये पौध तैयार करना होती है उसके ऊपर पौधशाला का आकार/क्षेत्र निर्भर होता है.

पौधशाला में क्यारियों का आकार

सामान्यतया पौधशाला में क्यारियों का आकार लंबाई में 3 से 5 मी., चौड़ाई में 1.0 से 1.2 मीटर और ऊंचाई में भूमि से 15-20 से.मी. ऊंचा रखा जाता है.प्रत्येक दो क्यारियों के बीच में लंबाई एवं चौड़ाई में दोनों तरफ 50 से.मी. का स्थान आवागमन की सुविधा के लिये छोड़ा जाता है. एक फसल के एक हेक्टर क्षेत्र में आवश्यक पौध की संख्या का निर्धारण, पौध रोपाई का कतार से कतार एवं पौध से पौध का अंतर एवं एक स्थान पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या के ऊपर निर्भर होता है. सामान्यत: मिर्च के लिये रोपण अंतर 45345 से.मी.रखने पर 4 3 1 3 0.2 मी. आकार की 25-27 (100 से 108 वर्ग मी.) क्यारियों की आवश्यकता पड़ती है. उन्नत किस्मों के 1.2 कि.ग्रा. बीज और संकर किस्मों के लिये 400 से 500 ग्राम बीज प्रति हेक्टर की आवश्यकता होती है.

क्यारियों की तैयारी एवं उपचार

पौधशाला की मिट्टी की एक बार गहरी जुताई करें या फिर फावड़े-गैंती की मदद से खुदाई करें.खुदाई करने के पश्चात् ढेले फोड़कर गुड़ाई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लें तथा उगे हुए सभी खरपतवार निकाल दें. फिर उचित आकार की क्यारियां बनायें. इन क्यारियों में प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 कि.ग्रा. गोबर या कम्पोस्ट की सड़ी खाद या फिर 500 ग्राम केंचुए की खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिलायें. यदि मिट्टी हल्की भारी हो तो प्रति वर्ग मीटर के लिये 2.5 कि.ग्रा. रेत अवश्य मिलायें.

क्यारी मिट्टी का उपचार

भूमि में विभिन्न प्रकार के कीड़े एवं रोगों के फफूंद, जीवाणु आदि पहले से रहते हैं जो उपयुक्त वातावरण पाकर क्रियाशील हो जाते हैं व आगे चलकर फसल को विभिन्न अवस्थाओं में हानि पहुंचाते हैं. अत: नर्सरी की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है.

सूर्यताप से उपचार

इस विधि में पौधशाला में क्यारी बनाकर उसकी जुताई-गुड़ाई करके हल्की सिंचाई कर दी जाती है जिससे मिट्टी गीली हो जाये. अब इस मिट्टी को पारदर्शी 200-300 गेज मोटाई की पालीथिन की चादर से ढंककर किनारों को मिट्टी या ईट से दबा दें ताकि पालीथिन के अंदर बाहरी हवा और अंदर की वाष्प बाहर न निकल सके. ऐसा उपचार लगभग 4-5 सप्ताह तक करें. यह कार्य 15 अप्रैल से 15 जून तक किया जा सकता है. क्योंकि इस समय तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है.उपचार उपरांत पालीथिन शीट हटाकर भूमि की तैयारी कर बीज बोयें. सूर्यताप उपचार से भूमि जनित रोग कारक जैसे फफूंदी, निमेटोड (सूत्रकृमि), कीट खरपतवार आदि की संख्या में भारी कमी हो जाती है. कभी-कभी क्यारी की भूमि को व्यावसायिक फार्मेल्डिहाइड 40 प्रतिशत से, 250 मि.ली. 10 लीटर पानी में बने घोल से प्रत्येक क्यारी को गीला कर देते हैं और क्यारी को पहले की ही तरह पालीथिन शीट से ढंक देते हैं. 5-6 दिन बाद शीट हटाकर गुड़ाई करके 1-2 दिन के लिये खुला छोड़ देते हैं. तदुपरांत क्यारी तैयार कर बीज बोते हैं.

रसायनों द्वारा भूमि उपचार

बीज बोवाई के 4-5 दिन पहले क्यारी को फोरेट 10 जी एक ग्राम अथवा क्लोरोपायरीफास 5 मि.ली. प्रति ली. पानी के हिसाब से अथवा कार्बोफ्यूरान 5 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से भूमि में मिलाकर उपचार करते हैं. कभी-कभी फफूंदनाशक दवा कैप्टान 2 ग्राम/वर्ग मीटर के हिसाब से मिलाकर भी भूमि उपचार किया जाता है.

जैविक विधि

क्यारी की भूमि का जैविक विधि से उपचार करने के लिये ट्राइकोडर्मा विरडी की 8-10 ग्राम मात्रा को 10 किलो गोबर खाद में मिलाकर क्यारी में बिखेर देते हैं तत्पश्चात् सिंचाई कर देते हैं. जब भूमि का जैविक विधि से उपचार करें तब अन्य किसी रसायन का प्रयोग न करें.

खरपतवार नियंत्रण

क्यारियों में उपचार के बाद भी यदि खरपतवार उगते हैं तो उन्हें हाथ से निकालते रहना चाहिए इसके लिये पतली लंबी डंडियों की भी मदद ली जा सकती है. अच्छा होगा यदि पेन्डीमिथालीन (स्टाम्प 34) की 3 मि.ली. मात्रा प्रति ली. पानी में घोलकर बीज बुवाई के 48 घंटे की भीतर क्यारियों में छिड़क दें, उससे खरपतवार की समस्या का निदान हो जायेगा.

बीज खरीदने में सावधानियां

- बीज अनुशंसित किस्म का शुद्ध एवं साफ हो. द्य अंकुरण क्षमता 80-85 प्रतिशत हो.
- बीज किसी प्रमाणित संस्था, शासकीय बीज विक्रय केंद्र, अनुसंधान केंद्र अथवा विश्वसनीय विक्रेता से ही लेना चाहिए. बीज प्रमाणिकता का टैग लगा पैकेट खरीदें.
- बीज खरीदते समय पैकेट पर अंकित किस्म, उत्पादन वर्ष, अंकुरण प्रतिशत, बीज उपचारण आदि अवश्य देख लें. ताकि पुराने बीज से बचा जा सके.
- बीज बोते समय ही पैकेट खोलें.

बीज उपचार

रोपणी में बीज को सदैव उपचारित करके ही बोना चाहिये ताकि बीज जनित फफूंद से फैलने वाले रोगों को नियंत्रित किया सके. बीज उपचार के लिये 1.5 ग्राम थाइरम+1.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बाविस्टीन) अथवा 2.5 ग्राम डाइथेन एम-45 या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी का प्रति किलो बीज के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए. यदि क्यारी की भूमि का उपचार जैविक विधि से (ट्राइकोडर्मा) से किया गया है तो बीजोपचार भी ट्राइकोडर्मा विरडी से करें.

बीज बोने की विधि

क्यारियों में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 7-10 से.मी. की दूरी पर 1 से.मी. गहरी पंक्तियां बना लें तथा इन्हीं पंक्तियों पर बीज लगभग 1 से.मी. के अंतर से बोते हैं. बीज बोने के पश्चात कम्पोस्ट, मिट्टी व रेत के 1:1:1 के 5-6 ग्राम थाइरम या केप्टान से उपचारित मिश्रण से 0.5 से.मी. की ऊंचाई तक ढंक देते हैं.

क्यारियों को पलवार से ढंकना

बीज बोने के बाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पुआल, सरकन्डा गन्ने के सूखे पत्ते या ज्वार-मक्का के बने टटिये से ढंक देते हैं. ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे और सिंचाई करने पर पानी सीधे ढंके हुए बीजों पर न पड़े अन्यथा मिश्रण बीज से हट जायेगा और बीज का अंकुरण प्रभावित होगा.

सिंचाई

क्यारियों में बीज बोने के बाद 5-6 दिनों तक हजारे/झारे से हल्की सिंचाई करें ताकि बीज ज्यादा पानी पाकर बैठ न जाये. वर्षाऋतु में क्यारी की नालियों में उपस्थित अधिक पानी को पौधशाला से बाहर निकालना चाहिए. क्यारियों से पलवार/घास-फूस तब हटायें जब लगभग 50 प्रतिशत बीजों का अंकुरण हो चुका हो. बीज बुवाई के बाद यह अवस्था मिर्च में 7-8 दिन बाद, टमाटर में 6-7 दिन बाद व बैंगन में 5-6 दिन बाद आती है.

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

मिट्टी परीक्षण के लाभ

- मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.
- उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

- खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें।

- मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

नमूना लेने का तरीका

- पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।
- प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।
- प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।
- एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।
- प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।
- साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।
- हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।
- एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।
- आमने-सामने के दो भागों की मिट्टी को हटाकर शेष दो भागों की मिट्टी का ढेर बनाते है।
- इसके बाद पुन: क्र. 8 से 9 की क्रिया दोहराते हैं।
- जब आधा किलो का ढेर शेष रह जाये वही उस खण्ड का मिट्टी का नमूना होगा।
- इस नमूने को कपड़े की थैली में भरकर एक नमूना पत्रक (जिसमें कृषक का नाम, पता, खेत का नाम या नम्बर, बोई जाने वाली फसल, नमूने लेने का दिनांक, खेत का क्षेत्रफल आदि लिखा हो) थैली के अंदर डालते हैं।
- यह नमूना परीक्षण कराने हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से अथवा स्वयं मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में पहुंचाना चाहिये।

गर्मी में उड़द उगायें लाभ कमायें

गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है.

मौसम संबंधी अनुकूलता

उड़द के अधिक उत्पादन के लिए जनन अवस्था में खूब चमकीली धूप चाहिए क्योंकि चमकीली धूप से फली निर्माण अधिक होता है और उपज अच्छी होती है.

खेत की तैयारी

उड़द को जिस खेत में बोना है, उसमें पहले उपयुक्त हल से जुताई करें, फिर हैरो चलावें और पाटा लगाकर खेत को समतल करें. गहरी जुताई करने से पौधों की जड़ें पर्याप्त गहराई तक भूमि में जाती है, जिससे सूखे की स्थिति में पौधे की जड़े निचली सतहों से नमी का भरपूर उपयोग करती है. गर्मी के मौसम में हल्की मिट्टियों मे कम जुताई करके भी सिंचाई करके उसकी बोआई की जा सकती है. इससे समय धन और श्रम की पर्याप्त बचत हो जाती है और अच्छी उपज मिल जाती है.

बुआई का समय

गर्मी के मौसम में उड़द की फसल को मार्च के आखिरी दिनों या 10 अप्रैल तक बोना उपयुक्त समझा जाता है. इस अवधि में बोई गई फसल से अधिकतम उपज मिलने के प्रमाण मिले हैं. इस मौसम में बुआई में देरी करने से यदि बरसात जल्दी हो जाती है तो उड़द की फलियाँ सड़ जाती हैं और उपज घट जाती है.

पादप सघनता और बीज दर

उड़द की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए उचित पादप संख्या आवश्यक है. गर्मी के मौसम में उगाई गई उड़द की फसल में पौध संख्या खरीफ की तुलना में अधिक होती है क्योंकि खरीफ के मौसम में पादप वृद्धि अधिक होती है जबकि गर्मी के मौसम में उड़द की पादप वृद्धि अपेक्षाकृत कम होती है.ग्रीष्मकाल में उड़द के लिये 20 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज पर्याप्त होता है. कतारों में 30 से.मी. अंतर और पौधे से पौधे की दूरी 7 से.मी. रखें. बीज की गहराई 4 से.मी. रखें.

उन्नत किस्म का चुनाव

विभिन्न राज्यों के लिये अनुमोदित की गई जायद मौसम (गर्मियों में) बोई जाने वाली उड़द की उन्नत जातियाँ

आहार पोषण

43 किलो यूरिया, 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 66 किलो पोटाश/हे. दिया जाये. उड़द की ग्रंथिकायुक्त जड़ों में यौगिकीकरण की प्रक्रिया अच्छी तरह होती है जिससे उसकी नाइट्रोजन आवश्यकता लगभग पूरी हो जाती है. अधिकांश क्षेत्रों में जहां उड़द की खेती की जाती है, वहाँ मिट्टी से संबंधित जीवाणुओं की पर्याप्त संख्या होती है जिससे इन क्षेत्रों में बीज निवेशन की आवश्यकता नहीं पड़ती है. नयी तोड़ी गई भूमि में ऐसे क्षेत्रों में जहां इसकी खेती पिछले कई वर्षों में नहीं गई है बीज निवेशन अवश्य करना चाहिए.

निंदाई-गुड़ाई

खरपतवार फसलों को अपेक्षाकृत अनुमान से कहीं अधिक क्षति पहुंचाते हैं अत: विपुल उत्पादन के लिये अपनाये महंगे कृषि प्रसाधन, खरपतवारों की वजह से व्यर्थ न जाने पायें, इसके लिये समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई कोल्पा या डोरा चलाकर करें. (बुआई के 30 दिन बाद) खरपतवार नियंत्रण से दाने की उपज पर्याप्त बढ़ जाती है.

सिंचाई

बसंतकालीन और ग्रीष्मकालीन उड़द की फसल पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर करती है. बसंत ऋतु में 10 से 15 दिन के अंतर पर फसल की सिंचाई करना आवश्यक होता है. पहली सिंचाई बुआई के 20 दिन बाद करनी चाहिए. इस मौसम में उड़द में मूंग की अपेक्षा अधिक जल्दी सिंचाई करनी पड़ती है. पैदावार : जायद में बोई गई उड़द की शुद्ध बीज वाली फसल की पैदावार 12 से 15 क्विंटल प्रति हे. तक हो सकती है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में हिंसक हुआ फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

ऑस्टिन। इजरायल-हमास युद्ध के खिलाफ अमेरिका के विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया है। इसकी शुरुआत ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय से हुई थी जहां ने दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था। कई विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन उग्र हो गए और उन्हे खत्म करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़पे हुई हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लॉस एंजिल्स पुलिस ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प के बाद पुलिस ने बुधवार रात 93 लोगों को गिरफ्तार किया। दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय ने अपने परिसर को बंद करने की घोषणा की है। बोस्टन के इमर्सन कॉलेज में 108 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। झड़प में चार पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। कैलिफोर्निया स्टेट पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हम्बोल्ट में प्रदर्शनकारियों को एक इमारत के अंदर रोक दिया गया है। कुछ यहूदी छात्रों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन यहूदी विरोधी भावना में बदल गया है। हालांकि, कोलंबिया विश्वविद्यालय में बुधवार को तनाव कम होता दिखाई दिया, जब विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए इजरायल के विरोध में बनाए गए शिविर को हटाने की समयसीमा मंगलवार को 48 घंटे के लिए बढ़ा दिया। रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी, मिशिगन यूनिवर्सिटी, कैम्ब्रिज में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और हम्बोल्ट में सहित अन्य परिसरों में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में नागरिकों पर इजरायली हमलों पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सरकार पर दबाव बनाने की मांग की है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन के साथ उस समय धक्का-मुक्की और हूटिंग की जब वह फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन के कारण भयभीत यहूदी छात्रों का समर्थन करने मैनहट्टन परिसर में गए थे।

अमेरिका में पुलिस ने की भारतीय युवक की हत्या

-रूममेट को गाड़ी से टक्कर मारने का आरोप था

टेक्सास । अमेरिका के सैन एंटोनियो में पुलिस ने एक भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 21 अप्रैल की है, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। मृतक का नाम सचिन साहू बताया गया है, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। सैन एंटोनियो पुलिस के मुताबिक, सचिन ने एक 51 साल की अपनी रूममेट को गाड़ी से टक्कर मार दी थी। टक्कर मारने के बाद वो वहां से भाग गया था। पीड़िता की हालात गंभीर है। इस मामले में पुलिस साहू के खिलाफ जांच कर रही थी। पुलिस ने साहू के खिलाफ जांच शुरू कर दी और गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। 21 अप्रैल को शाम 6:30 बजे पुलिस उसके घर सैन एंटोनियो के चेविओट हाइट्स पहुंची तो साहू वहां से भाग गया। कुछ ही घंटों के बाद साहू के पड़ोसियों ने उसके घर पर मौजूद होने की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस उसको पकडने के लिए पहुंची तो साहू ने भागने की कोशिश की और अपनी गाड़ी से दो पुलिस अधिकारियों को टक्कर मार दी। उसी समय वहां मौजूद पुलिस अधिकारी टायलर टर्नर ने साहू पर गोली चला दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान एक पुलिसकर्मी को गंभीर चोट आई, जिसे अस्पताल ले जाया गया और दूसरे अधिकारी का इलाज घटनास्थल पर ही किया गया।

अपने पांचवें कार्यकाल में चीन की पहली विदेश यात्रा पर जाएंगें पुतिन

मास्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा कर बताया कि मई में चीन की यात्रा करने की योजना बनाई है। पुतिन की यात्रा 7 मई को अपना अगला कार्यकाल शुरू करने के बाद राष्ट्रपति के रूप में किसी विदेशी देश की उनकी पहली यात्रा होगी। 71 वर्षीय रूसी नेता ने अपने 24 साल के शासन को बढ़ाते हुए बिना किसी वास्तविक विरोध के एक वोट में अपना पांचवां कार्यकाल हासिल किया। रूसी सांसदों ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि पुतिन का उद्घाटन 7 मई को निर्धारित है। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के कारण रूस के बढ़ते आर्थिक और कूटनीतिक अलगाव ने रुस को चीन पर निर्भर बना दिया है, जो शीत युद्ध के दौरान कम्युनिस्ट गुट के नेतृत्व के लिए उसका पूर्व प्रतिद्वंद्वी था। चीन ने बार-बार कहा है कि वह रूस को हथियार या सैन्य सहायता नहीं दे रहा है, हालांकि मॉस्को के साथ मजबूत आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं। बीजिंग ने रूस के लिए प्रत्यक्ष घातक सैन्य सहायता प्रदान नहीं की है और खुद को यूक्रेन संघर्ष में तटस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध की निंदा करने से भी इंकार किया है, जो अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। चीन ने एक शांति योजना का भी प्रस्ताव रखा है जिसे यूक्रेन के सहयोगियों ने काफी हद तक खारिज कर दिया है, जिन्होंने जोर देकर कहा था कि शांति की शर्त के रूप में मास्को को पड़ोसी देश से अपनी सेना वापस बुलानी होगी। चीनी सरकार ने भी मास्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों की निंदा की है और नाटो और संयुक्त राज्य अमेरिका पर पुतिन के आक्रमण को उकसाने का आरोप लगाया है।

सैन एंटोनियो पुलिस ने भारतीय मूल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की

सैन एंटोनियो। सैन एंटोनियो में पुलिस ने 42 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 21 अप्रैल को हुई, जब सचिन साहू नाम के व्यक्ति ने अपने वाहन से दो अधिकारियों पर हमला कर दिया, क्योंकि वे एक गंभीर हमले के मामले में मृतक सचिन को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्ति को घटना स्थल पर मृत घोषित किया गया। साहू मूल रूप से यूपी के रहने वाले थे। सैन एंटोनियो पुलिस विभाग ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार, 21 अप्रैल को शाम 6.30 बजे से ठीक पहले, अधिकारी सैन एंटोनियो के चेविओट हाइट्स में एक घर में घातक हथियार से गंभीर हमले की रिपोर्ट के लिए पहुंचे। अधिकारियों को एक 51 वर्षीय महिला मिली जिसे जानबूझकर एक वाहन ने टक्कर मार दी थी। जबकि संदिग्ध साहू स्थान से भाग गया, महिला को गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बाद में, सैन एंटोनियो पुलिस ने साहू के लिए एक गंभीर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इस बीच, एक अन्य अधिकारी को उसकी चोटों के इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और दूसरे अधिकारी की चोटों का इलाज घटनास्थल पर ही किया गया। घटना के दौरान कोई और घायल नहीं हुआ। मामले में आगे की जांच जारी थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि साहू ने अपने वाहन से उस महिला को कुचल दिया था, जो उसकी रूममेट थी। महिला की कई सर्जरी चल रही थी और उसकी हालत गंभीर थी। एक रिपोर्ट में साहू की पूर्व पत्नी लिआ गोल्डस्टीन के हवाले से कहा गया है कि साहू को बाइपोलर डिसऑर्डर का पता चला है।

आईपी सुरक्षा मामले में अमेरिका की निगरानी सूची में भारत

वाशिंगटन। अमेरिका ने आईपी सुरक्षा मामले में भारत को निगरानी सूची में रखने का फैसला लिया है। अमेरिका ने कहा कि भारत बौद्धिक संपदा (आईपी) सुरक्षा के संबंध में दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि ट्रेडमार्क उल्लंघन की जांच के साथ कुछ मामलों को सुलझाने करने में अमेरिका-भारत व्यापार नीति फोरम के तहत प्रगति हुई है, लेकिन कई लंबे समय से चली आ रही कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। इनमें ऑनलाइन पायरेसी की उच्च दर शामिल हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने कहा, भारत में पेटेंट का मुद्दा विशेष चिंता का विषय है। पेटेंट आवेदकों को पेटेंट अनुदान प्राप्त करने के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि का सामना करना पड़ता है।

ब्राजील में जमीन को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किये जाने की मांग करते हुए आदिवासी।

फिर मुसीबत में ट्रंप, पोर्ट स्टार को पैसा देने के मामले की सुनवाई शुरु

न्यूयार्क। अमेरिका में चुनाव चल रहे हैं और देश के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें भी उन्ही के साथ चल रहीं हैं। पॉर्न स्टार को धन देने के मामले की सुनवाई में शामिल होने के लिए वह न्यूयार्क में हैं। ट्रंप कहा कहना है कि आज एक बड़ा मामला सुनवाई के लिए था, लेकिन न्यायाधीश ने मुझे जाने के लिए छूट नहीं दी।

उनके अनुरोध को न्यूयार्क के राज्य सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जुआन मर्चन ने अस्वीकार कर दिया। वह गुप्त धन मामले की सुनवाई कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट वाशिंगटन में इस बात पर बहस सुन रहा है कि राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के लिए उन्हें अभियोजन से छूट दी जानी चाहिए या नहीं। उन्होंने उस दिन के लिए अपने आपराधिक मुकदमे की सुनवाई से बाहर रहने के लिए अपील की थी, ताकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो सकें, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली न्यायाधीश मर्चन ने ट्रंप के वकील टाड ब्लैंच से पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के सामने बहस करना बड़ी बात है। मैं निश्चित रूप से इसकी सराहना कर सकता हूं कि आपका मुवक्किल वहां क्यों रहना चाहेगा, लेकिन न्यूयार्क राज्य के सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा भी बड़ी बात है।दोनों ही मामलों से ट्रंप खुद को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वह चुनावी दौड़ में एक बार फिर से मजबूती से सामने हैं, लेकिन देश के सुप्रीम कोर्ट के सामने आए मामले के नतीजे भविष्य के राष्ट्रपतियों पर भी प्रभाव डालेंगे।

पाकिस्तानी झुनझुनवाला की गुहार सुनेंगे शहबाज? भारत से दोस्ती को लेकर कैसे फंसा देश

कराची (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की हालत खराब हो चुकी है और वहां एक ही आवाज लगातार खोज रही है कि हिंदुस्तान से दोस्ती कर लो। हिंदुस्तान से दुश्मनी पालने वाले पाकिस्तान में यह मांग एक बार फिर उठ चुकी है। पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने हिंदुस्तान से दोस्ती की गुहार लगाई। फिर नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने हिंदुस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया। फिर आम पाकिस्तानियों ने चीन से दोस्ती को लेकर शाहबाज सरकार को कोसा और हिंदुस्तान से दोस्ती का दम भरा। अब पाकिस्तान के चर्चित बिजनेसमैन और स्टॉक मार्केट के दिक्कज खिलाड़ी आर एफ हबीब ने शाहबाज शरीफ को सबके सामने भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की नसीहत दे डाली। पाकिस्तान यानी पाकिस्तान

को जब से हिंदुस्तान ने आतंकवाद पर बेपर्दा किया है तब से वह पूरी दुनिया में अलग-अलग पड़ चुका है। वह कंगाल हो चुका है और पूरी दुनिया में उसकी कोई औकात नहीं है। शरीफ व्यापारिक नेताओं के साथ बैठक की। उनका देश नए, दीर्घकालिक और बड़े आईएमएफ ऋण की मांग कर रहा है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के अनुसार, इस्लामाबाद जुलाई की शुरुआत तक नए कार्यक्रम पर कर्मचारी स्तर का समझौता कर सकता है। प्रधानमंत्री के संक्षिप्त संबोधन के बाद, सदन को प्रश्न-उत्तर सत्र के लिए खोला गया, जहां कारोबारी नेताओं ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और मांगें कीं। उन्होंने इच्छित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आर्थिक उपायों के प्रस्ताव भी साझा किए और राजनीतिक अस्थिरता के बारे में चिंता व्यक्त की।

शीर्ष पाकिस्तानी उद्यमी आरिफ हबीब ने कहा कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ हाथ मिलाए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है। मेरा सुझाव है कि आप कुछ और हाथ मिलाएँ। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक स्थिरता के उद्देश्य से पूछे गए सवालों का सीधे तौर पर जवाब देने से परहेज किया, लेकिन दावा किया कि उन्होंने आर्थिक विकास के लिए उनके प्रस्तावों को नोट कर लिया है और उन्हें आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही देश भर के व्यापारियों को इस्लामाबाद में आमंत्रित करेंगे।

ईरान के गृह मंत्री पर मंडरा रहा था खतरा, श्रीलंका आते ही हो जाते गिरफ्तार, पाकिस्तान से ही डेलीगेशन छोड़कर भागे

(एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति जब पाकिस्तान के दौरे पर थे तो उनके साथ पूरी टीम थी। टीम में ईरान के गृह मंत्री भी थे। लेकिन जब ईरान के राष्ट्रपति पाकिस्तान का दौरा खत्म करके श्रीलंका पहुंचे तो वहां उनके गृह मंत्री नजर नहीं आए। जिसके बाद चर्चाएं तेज हो गई कि आखिर ईरान के गृह मंत्री अचानक पाकिस्तान से कहां गायब हो गए। इसका जवाब सामने आ गया है। वो श्रीलंका गए ही नहीं बल्कि पाकिस्तान से ही वापस लौट गए। उनके कोलंबों नहीं जाने को लेकर चर्चा ये है कि उनकी गिरफ्तारी श्रीलंका में हो सकती थी। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान से ही वापस ईरान लौटने का फैसला किया।

अहमद वाहिदी पर अर्जेंटीना ने ब्यूनस आयर्स में एक यहूदी सामुदायिक केंद्र पर 1994 के हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसमें 85 लोग मारे गए थे। इंटरपोल ने एक रेड नोटिस जारी कर दुनिया भर की पुलिस एजेंसियों से वाहिदी को हिरासत में लेने का अनुरोध किया था और अर्जेंटीना ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों से उसे गिरफ्तार करने के लिए कहा था। ऐसे में अब ईरानी मंत्री को रायसी के साथ नहीं देखा गया तो इसकी चर्चा तेज हो गई। रईसी ईरान समर्थित बिजली और सिंचाई परियोजना का उद्घाटन करने के लिए श्रीलंका पहुंचे थे।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि वाहिदी ईरान वापस आ गए, जहां उन्होंने एक नए प्रांतीय गवर्नर को शामिल करने के लिए एक समारोह में भाग लिया। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने एएफपी को बताया कि आंतरिक मंत्री को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था। 1994 के हमले का दावा या समाधान कभी नहीं किया गया, लेकिन अर्जेंटीना और इज़राइल को लंबे समय से संदेह है कि ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह ने ईरान के अनुरोध पर इसे अंजाम दिया है। अभियोजकों ने शीर्ष ईरानी अधिकारियों पर हमले का आदेश देने का आरोप लगाया है, हालांकि तेहरान ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है।

श्रीलंकाई ने 24 और मछुआरों को भारत वापस भेज दिया, उच्चायोग ने दी जानकारी

श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़े गए चौबीस भारतीय मछुआरों को भारत वापस भेज दिया गया है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने कहा कि सभी मछुआरे कोलंबो से सवार हुए और अपने घर जा रहे थे। हालिया स्वदेश वापसी अकेले अप्रैल में श्रीलंका से भारतीय मछुआरों की तीसरी रिहाई है। इससे पहले 24 अप्रैल को श्रीलंका ने 5 मछुआरों को रिहा किया था और उन्हें वापस घर भेज दिया गया था। इससे पहले 3 अप्रैल को 19 अन्य भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई अधिकारियों ने वापस भारत भेज दिया था। मछुआरों द्वारा एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुसपैठ करने का बार-बार आने वाला मुद्दा दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवाद का मुद्दा रहा है।

इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन करने पर भारतीय छात्रा अमेरिका में गिरफ्तार

- कैंपस में आने पर रोक, हॉस्टल में रहने की परमिशन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इजरायल विरोधी प्रदर्शन करने वाली भारतीय मूल की छात्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह छात्रा अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की छात्रा है। छात्रा तमिलनाडु की रहने वाली है जिसका नाम अचिंत्य शिवलिंगन है और उसके साथ ही हसन सैयद नाम के एक और युवक को गिरफ्तार किया है। ये लोग कई लोगों के साथ गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों का विरोध कर रहे थे।

यूनिवर्सिटी की प्रवक्ता जेनिफर मोरिल ने बताया कि दोनों छात्रों के कैंपस में आने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि इन लोगों को यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में रहने की परमिशन होगी। तमिलनाडु की रहने वाली अचिंत्य शिवलिंगन मास्टर्स इन पब्लिक अफेयर्स की डिग्री ले रही है। वहीं सैयद हसन प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि छात्रों को कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी कि वे एरिया खाली कर दें और राजनीतिक आंदोलन न करें। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी ये लोग नहीं माने तो गिरफ्तारी की गई। अब अचिंत्य और हसन की गिरफ्तारी के बाद दूसरे छात्रों ने आंदोलन बंद कर दिया है और वहां से टेंट भी हटा लिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रदर्शन में छात्र, फैकल्टी मेंबर और अन्य बाहरी लोग भी शामिल थे। बता दें कि अमेरिका के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में इजरायल के खिलाफ आंदोलन किए गए हैं। इसे लेकर इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अमेरिका की आलोचना की और कहा कि आपके यहां हमारी बर्बादी के नारे लग रहे हैं। इसको लेकर अमेरिकी प्रशासन ने इजराइल के खिलाफ हो रहे आंदोलन को बंद करने की कार्यवाही की।

चीन ने मालदीव के समुद्री क्षेत्र में फिर उतारा अपना जासूसी जहाज

मुइज्जू सरकार ने नहीं बताई वजह

दुबई (एजेंसी)। माले (ईएमएस)। मालदीव में चीन समर्थक मुइज्जू की पार्टी की जीत के बाद फिर से बीजिंग और माले के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। चीन ने दो महीने बाद 4,500 टन वजनी और उच्च तकनीक से लेस रिसर्च जहाज को मालदीव के समुद्री क्षेत्र में उतारा है। अब तक मुइज्जू सरकार द्वारा इस बारे में खुलासा नहीं किया गया है कि इस जहाज के वापस लौटने का कारण क्या है। लेकिन, इस बात की पुष्टि की है कि यात्रा से पहले जहाज को माले में खड़ा करने की अनुमति दी गई थी।

मालदीव के समुद्री क्षेत्र में वापस लौटा चीनी जहाज

चीन द्वारा यह जहाज ऐसे समय में मालदीव के समुद्री क्षेत्र में उतारा गया है, जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने आम चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की। बता दें कि मुइज्जू द्वारा बार बार चीन का समर्थन किया जाता है। चीन का जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) को पार कर वापस लौट आया है और अब मालदीव क्षेत्र के अंदर या उसके पास सक्रिय है। मालदीव की विशेष आर्थिक सीमा के पास एक महीना बिताने के बाद यह जहाज पहली बार 22 फरवरी को पहुंचा था। यहां लगभग छह दिन बिताने के बाद जहाज ईईजेड के पार चला गया था। उस दौरान भारत और अमेरिका ने इस पर आपत्ति भी जताई थी।

फरवरी में भी किया था मालदीव का दौरा

फरवरी में ही मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा था कि चीन के जहाज द्वारा अपने केबिन क्रू के रोटेशन के लिए मालदीव का दौरा किया गया था। यह भी दावा किया गया था कि इस दौरान जहाज द्वारा किसी भी तरह की रिसर्च नहीं की गई। मालदीव की भारत की दूरी बमुश्किल 70 समुद्री मील है। हिंद महासागर क्षेत्र में वाणिज्यिक समुद्री मार्गों का केंद्र होने की वजह से इस जगह का अपना अलग ही सामरिक महत्व है।

दो देशों के बीच सुरक्षा सहयोग से तीसरे को कोई नुकसान न हो

- फिलीपींस को मिली भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से बौखलाया चीन

बीजिंग (एजेंसी)। फिलीपींस को भारत द्वारा दी गई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की डिलीवरी के बाद चीन आगबबूला हो गया है। इसकी वजह है कि फिलीपींस को ऐसे समय भारत से क्रूज मिसाइलों डिलीवरी मिली है, जब उसका बीजिंग से साउथ चाइना सी में तनाव व्याप्त है। फिलीपींस को भारत द्वारा दी गई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप मिलने के बाद चीनी सेना ने एक बयान जारी किया है, जिसमें चीनी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग में इस बात का ख्याल रखा जाए कि इससे किसी तीसरे देश के हितों को नुकसान नहीं पहुंचे।

दक्षिण चीन सागर में दूसरे थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल को लेकर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव है। फिलीपींस ने चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने और अपनी रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत से ब्रह्मोस मिसाइलों का अधिग्रहण किया है, ये उसकी अपनी रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने की तरफ एक अहम रणनीतिक कदम है। दूसरी ओर भारत भी चीन के विस्तारवादी रवैये के चलते फिलीपींस के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। ऐसे में चीन की घबराहट बढ़ती नजर आ रही है।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन हमेशा मानता है कि दो देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से किसी तीसरे देश के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए साथ ही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरा नहीं पहुंचना चाहिए। चीनी प्रवक्ता ने दक्षिण चीन सागर विवाद में चीन और फिलीपींस की बढ़ती दुश्मनी के पिछले दिनों फिलीपींस में जरिए दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात करने के लिए अमेरिका की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत में अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती का हम विरोध करते हैं। अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डालते हुए क्षेत्रीय शांति को भंग करना चाहता है।

विस्तारा की फ्लाइट में आई खराबी, मुंबई से आई तकनीकी टीम

पटना। पटना एयरपोर्ट पर विस्तारा की फ्लाइट संख्या यूके 717 दिल्ली से पटना आने के बाद खराब हो गई। जांच के दौरान ये जानकारी मिली की इसके इंजन में कुछ तकनीकी खराबी है। इसके बाद इससे यात्रा करने वाले यात्रियों को इसकी सूचना दी गई है। यह फ्लाइट सुबह 9 बजे के आस पास पटना एयरपोर्ट पर पहुंची थी और 11 बजे फिर से पटना से दिल्ली जाना था। विमान में आई खराबी को ठीक करने के लिए मुंबई से इंजीनियर्स को बुलाया गया है। कंपनी की तरफ से इस फ्लाइट से जाने वाले यात्रियों को अलग फ्लाइट की व्यवस्था की गई है।

रविकिशन को राहत... शिनोवा की याचिका खारिज

नई दिल्ली । भोजपुरी और हिंदी सिनेमा के सितारे और गोरखपुर से सांसद रवि किशन को मुंबई के कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। खुद को रवि किशन की बेटी बताने वाली 25 साल की महिला शिनोवा ने कुछ वक्त पहले रविकिशन के डीएनए टेस्ट की मांग की थी। शिनोवा का कहना है कि वहां रवि किशन की बेटी हैं। वे चाहती हैं कि किशन अपना डीएनए टेस्ट करवाएं, ताकि अगर वे झूठ बोल रही हैं, तब ये साबित हो जाए। हालांकि अब मुंबई के दिंडोशी सेशन कोर्ट ने शिनोवा की इस अपील को खारिज कर दिया है। 25 साल की शिनोवा ने दावा किया था कि रवि किशन उसके बायोलॉजिकल पिता है। कोर्ट ने कहा कि रवि किशन और दावा करने वाली महिला शिनोवा कि मां का कोई परिवार संबंध नहीं था, इसके बाद ये कोई मामला नहीं बनता। अभी कोर्ट के पूरे आदेश को जारी नहीं किया गया है। शिनोवा और उसकी मां अपर्णा सोनी उर्फ़ अपर्णा ठाकुर ने बड़े दावे किए थे। उन्होंने दावा किया था कि रवि किशन उनकी बेटी शिनोवा के पिता हैं। इसके बाद शिनोवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को टैग करते हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में उन्होंने दोनों से आग्रह किया था कि वे वक्त निकालकर शिनोवा से मिलें। शिनोवा का कहना था कि वे अपने दावों के पीछे के सबूत भी उनके सामने रख सकती हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री उनकी किस्मत का फैसला करें। इसके बाद रवि किशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने पुलिस थाने में अपर्णा ठाकुर, उनकी बेटी शिनोवा, पति राजेश सोनी, बेटे सौनक सोनी समाजवादी पार्टी के लीडर विवेक कुमार पांडे और एक खुर्शीद खान नाम के पत्रकार, जो एक यूट्यूब चैनल चलाते हैं, के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। रविकिशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने एफआईआर में महिला और उसकी बेटी पर धमकी देने, झूठे इल्जाम लगाने और जबरदस्ती पैसे वसूलने की कोशिश का आरोप लगाया है। शिनोवा भी एक अभिनेत्री है। शिनोवा ने बताया की कैसे उनके परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा था कि इस विवाद को खत्म करने के लिए रवि किशन का पैटरनिटी टेस्ट करवाया जाए।

उमेश पाल की हत्या पर अतीक ने कहा, बेटे शेर हैं... दिनदहाड़े मारो

नई दिल्ली। माफिया डॉन अतीक अहमद का योगीराज में अंत हो चुका है, लेकिन उससे जुड़े खुलासे जारी हैं। बताया जा रहा है कि उमेश पाल की हत्या दिनदहाड़े करने के लिए अतीक ने ही ऑर्डर दिए थे। इतना ही नहीं अतीक ने खुद बेटे असद को इस काम लिए भेजने का आदेश दिया था। खबरें हैं कि जेल की सजा काट रहे डॉन के बेटे अली ने उमेश रिपोर्ट के अनुसार, असद ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने पाल को दिनदहाड़े मारने के लिए मना किया था, लेकिन अतीक नहीं माना। सूत्रों ने बताया कि अली ने कहा कि पाल को इस तरह मारने से मना किया था, लेकिन अब्बा नहीं माने और कहा अतीक के बेटे शेर हैं और दिनदहाड़े ही मारेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अली का कहना है कि उसने शूटरों के साथ असद को भेजने से भी मना किया था। अली ने माना है कि इस हत्याकांड के बारे में पूरे परिवार को पता था। पाल हत्याकांड में अली साजिशकर्ता आरोपी बनाया गया है। एक ओर जहां असद और उसके साथी गुलाम की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। वहीं, अली नैनी जेल में और एक भाई उमर लखनऊ की जेल में है।

मतदान करना हैं, इसलिए नारायण मूर्ति की अस्पताल से छुटटी करवा ली : सुधा मूर्ति

नई दिल्ली। देश में दूसरे चरण के मतदान के बीच, कर्नाटक में 14 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शुरू होने के बाद से अनुमानित 22.34 प्रतिशत मतदान हुआ। शुक्रवार सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने के बाद से मतदान केंद्रों पर लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और सुबह की सैर करने वालों की लंबी कतारें दिखाई दी। राज्यों की कई प्रमुख हस्तियां भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतार में शामिल हुईं। आईटी उद्योग के दिग्गज नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति, क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा और बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज सहित अन्य लोगों ने अपनी जिम्मेदारी के अधिकार का प्रयोग किया। वोट डालने के बाद लेखिका, परोपकारी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने लोगों से अपने घरों से बाहर निकलने और बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें हर पांच साल में एक बार वोट देने का अधिकार मिलता है। हमें इस अधिकार का इस्तेमाल जिम्मेदारी से और बहुत सोच-समझकर करना होगा। राज्यसभा सदस्य ने मतादान श्रेष्ठ दान कहते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को बाहर आना चाहिए और मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 77 वर्षीय इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खराब स्वास्थ्य के बावजूद वोट देने आए। सुधा मूर्ति ने कहा कि नारायण मूर्ति अस्वस्थ थे और वह अस्पताल में थे। हमने उन्हें छुट्टी दे दी और मतदान के बाद हम उन्हें घर ले जा रहे हैं।

आतिशबाजी से लगी आग से हुए सिलेंडर विस्फोट से 6 परिजनों की मौत

दरभंगा । बिहार में दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र के अंटोर गांव में आतिशबाजी से लगी आग से हुए सिलेंडर विस्फोट से 6 परिजनों की मौत हो गई। जिलाधिकारी राजीव रोशन ने शुक्रवार को यहां बताया कि अंटोर गांव में गुरुवार की देर रात छगन पासवान की बेटी की शादी थी। शामियाना एवं बारातियों के ठहरने और खाने का प्रबंध रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में किया गया था। बारातियों ने पहुंचने पर जमकर आतिशबाजी की जिससे शामियाना में आग लग गई। देखते ही देखते पूरा शामियाना आग की चपेट में आ गया। इस दौरान आग के फैलने से वहां रखा सिलेंडर विस्फोट कर गया। साथ ही लपटों के रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे गए डीजल के स्टॉक तक पहुंचने से आग ने भयानक रूप ले लिया एवं उनके परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में रामचंद्र पासवान का पुत्र, पुत्रवधु, उनके 2 बच्चे, पुत्री और बेटी शामिल हैं। श्री रोशन ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की टीम को आग पर काबू पाने में करीब 4 घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर अधिकारियों को भेजा गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

दिल्ली मेयर चुनाव टलने पर हंगामा, बीजेपी-आप ने लगाए एक दूसरे पर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव न होने के कारण आज सदन की बैठक शुरू होने से पहले ही जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी पार्षद और नेता सदन राजा इकबाल सिंह ने आप के खिलाफ सदन में संपत्ति कर बढ़ाने का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू की। बढ़ाए गए संपत्ति कर को बीजेपी के पार्षद ने वापस लेने की मांग की। मेयर डॉ शैली ओबरॉय सदन में पहुंची और सदन की कार्यवाही शुरू करने के लिए सभी पार्षदों से अनुरोध किया। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने निगम के मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव स्थगित किए जाने पर उपराज्यपाल पर आरोप लगाए। इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक अनिश्चितकाली के लिए स्थगित दी।

सदन की बैठक स्थगित होने के बाद बीजेपी पार्षदों ने हरियाणवी व अन्य गीतों के जरिए भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 400 पार के नारे लगाए। वहीं, आम आदमी पार्टी के राजेंद्र नगर से विधायक और निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के स्थगित होने पर बीजेपी पर आरोप लगाए। बता दें कि दिल्ली मेयर का चुनाव 26 अप्रैल यानी आज होना था, जो पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने की वजह से टल गया है। आप नेताओं ने एलजी पर चुनाव टालने का आरोप लगाया है। हालांकि चुनाव आयोग ने इस चुनाव के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी, लेकिन दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने चुनाव कराने के लिए जरूरी पीठासीन अधिकारी नियुक्त नहीं की। नतीजा यह निकला कि ठीक अंतिम समय में मेयर चुनाव रद हो गया।

वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य

पीएम मोदी की टिप्पणी के बाद चीनी रक्षा मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था कि मेरा मानना ??है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर तुरंत बातचीत करने की जरूरत है ताकि हमारी द्विपक्षीय बातचीत में मतभेदों को पीछे छोड़ा जा सके।

पीएम मोदी की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा है कि चीन और भारत के बीच सीमा क्षेत्रों में सामान्यत-स्थिरता है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए दोनों देश आपसी तालमेल बनाए हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की टिप्पणी पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि वर्तमान में भारत और चीन के बीच सीमा क्षेत्रों की स्थिति सामान्य है। दोनों देश राजनयिक और सैन्य चैनलों के जरिए से आपसी तालमेल बनाए हुए हैं और सकारात्मक रचनात्मक बातचीत की है। दोनों देश जल्द से जल्द एक ऐसे समाधान पर पहुंचने पर सहमत हुए हैं जो दोनों देशों को मंजूर हो।

इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी थी। निंग ने कहा था कि चीन ने भारत के पीएम की टिप्पणियों पर गौर किया है। हमारा मानना है कि मजबूत और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों पक्षों के साझा हितों के लिए लाभकारी हैं। यह क्षेत्र के साथ शांति और विकास के लिए भी जरूरी है। निंग ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ मिलकर समान दिशा में काम करेगा। आपसी विश्वास बढ़ाएगा और मतभेदों को ठीक से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और स्थिर रूप से आगे बढ़ाएगा।

भारत और चीन के बीच सीमा पर साल 2020 से ही तनाव बना हुआ है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प हो गई थी। इस हिंसक झड़प में भारत के एक कर्नल और 29 जवानों की मौत हो गई थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में भारी गतिरोध जारी है। गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों पक्ष अब तक कोर कमांडर स्तर की 21 दौर की बातचीत कर चुके हैं। चीनी सेना के अनुसार, दोनों पक्ष अब तक चार बिंदुओं, गलवान घाटी, पैंगोंग झील, हॉट स्प्रिंग्स और जियानान दबन से पीछे हटने पर सहमत हुए हैं।

संविधान बदलना चाहते हैं... इसलिए चाहिए 400 पार सीटें

-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का आरोप

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहती है। इस लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह पीएम मोदी का ध्रुवीकरण का एजेंडा है। कांग्रेस ने हमेशा कहा है कि हम समाज के कमजोर वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश में तेजी से आर्थिक विकास हो और इसका लाभ हर किसी तक पहुंचे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लाभार्थी देश के महज 20-21 अरबपति हों और इसकी कीमत करोड़ों लोगों को चुकानी पड़े। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि हकीकत उनके 400 पार के नारे के पीछे यह है कि वे संविधान बदलना चाहते हैं... वे आरक्षण के खिलाफ हैं। वे संविधान को हटाना चाहते हैं और आरएसएस हमेशा से आरक्षण के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन अब तक नहीं हुई है, क्योंकि जनगणना से एससी और एसटी की आबादी का पता चल जाता। हमारा संविधान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करता है। हमारा कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हमारे घोषणापत्र में हमारा एजेंडा स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है।

अरविंद केजरीवाल चुनाव तो लड़ सकते हैं, वोट नहीं डाल सकते

- जेल में सजा काट रहे पांच लाख लोग नहीं कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव लड़ेंगे भी या नहीं, ये अभी साफ नहीं हो पाया है, लेकिन इतना तो तय है कि केजरीवाल को जेल में रहते हुए वोट डालने की इजाजत नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे 5 लाख से ज्यादा लोग हैं जो इस लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं कर सकेंगे क्योंकि वे जेल की सजा काट रहे हैं। अब सवाल यह उठाता है कि जेल में रहते हुए जब चुनाव लड़ा जा सकता है, तो मतदान का क्यों नहीं?

गौरतलब है कि डेढ़ दशक पहले बिहार की पटना हाई कोर्ट में एक ऐसा ही मामला आया, जिसमें जेल की सजा काट रहे एक कैदी ने चुनाव लड़ने की मंशा जताई थी। कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा कि जब कैदियों को वोट देने का हक नहीं है, तो चुनाव लड़ने की छूट कैसे दे सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी थी, लेकिन बाद में तत्कालीन यूपीए सरकार ने कानून में बदलाव कर दिया था जिसमें जेल में बंद लोगों को चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी गई थी। ये मामला 2013 का है, लेकिन जेल में बंद शख्स के पास मतदान करने का अधिकार नहीं है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की 1951 की धारा 62(5) के तहत जेल में बंद कोई भी व्यक्ति वोट नहीं डाल सकता है फिर चाहे वो हिरासत में हो या सजा काट रहा हो। वोट डालना एक कानूनी अधिकार है। दोषी के अलावा जिनपर ट्रायल चल रहा हो, वे भी मतदान नहीं कर सकते हैं। कैदियों को मताधिकार से वंचित करने का इतिहास अंग्रेजी जब्ती अधिनियम 1870 से दिखता है। इस दौरान राजद्रोह या गुंडागर्दी के दोषी लोगों को अयोग्य ठहराते हुए उनसे वोट का अधिकार छीन लिया जाता था। वजह ये कि जो इतने गंभीर अपराध कर रहा है, उसे किसी भी तरह का अधिकार, मतदान करने का अधिकार भी नहीं मिलना चाहिए। यही नियम गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 में भी लागू हो गया। हालांकि 1951 के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम ने इसे नए सिरे से देखा और इसमें हर शख्स जो आरोपी या दोषी हो और जेल में हो, उसे मतदान करने का अधिकार नहीं है लेकिन इस प्रावधान में उन्हें छूट मिलती है, जिसमें किसी भी वजह से सरकार को शक हो, इसके बाहर रहने से उपद्रव हो सकता है और इसे ही टालने के लिए उसे नजरबंद कर दिया गया हो। ऐसे लोग वोट डाल सकते हैं। वह पुलिस के घेरे में जाकर वोट डाल सकता है या फिर उसे औपचारिक तौर पर स्थानीय प्रशासन को इत्तिला करनी होगी कि वो फलां समय पर फलां बूथ में जा रहा है ताकि उनपर नजर रखी जा सके। साल 2013 में सेक्शन 62(5) में संशोधन हुआ। इसमें जेल में रहते हुए चुनाव लड़ने की छूट मिल गई। वे चुनाव में उम्मीदवार हो सकते हैं, अपने लोगों के जरिए चुनावी प्रचार भी करवा सकते हैं, लेकिन वोट नहीं डाल सकते। यहां तक कि जेल से जमानत पर बाहर आना भी उन्हें ये सुविधा नहीं देता। आरोपमुक्त होने या सजा पूरी होने के बाद ही वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकता है यानी वोट डाल सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय से डीके को राहत, संहिता उल्लंघन का मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अंतरिम राहत दी है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने डीके के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित अधिकारियों को अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया। मामला 19 अप्रैल को चुनाव आयोग में भाजपा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने मतदाताओं को ब्लैकमेल करने की कोशिश की है। भाजपा ने दावा किया कि राजराजेश्वरी नगर में एक चुनावी भाषण के दौरान, अपने भाई और लोकसभा उम्मीदवार डीके सुरेश के लिए प्रचार कर शिवकुमार ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने के बदले में कावेरी जल आपूर्ति और अधिभोग प्रमाणपत्र देने का वादा किया था।

आपत्ति व्यक्त कर, न्यायालय ने सवाल किया कि क्या शिवकुमार के नाम पर की गई टिप्पणी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 171बी (रिश्वतखोरी) और 171सी (चुनावों पर अनुचित प्रभाव) के तहत अपराध होगी। न्यायाधीश ने मामले पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता पर बल देकर जानना चाहा कि क्या डीके के बयान आरोपित धाराओं के मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। हालाँकि, कोर्ट ने शिवकुमार के वकील से कहा कि वे अपने मुवक्किल को अपने भाषणों में अधिक सतर्क रहने की सलाह दें।

इसके अतिरिक्त, इसने शिवकुमार को भेजे गए नोटिस का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग द्वारा दिए गए समय के बारे में भी चिंता जाहिर की। शिवकुमार को अंतरिम राहत देते हुए, न्यायालय ने चुनावी भाषणों के गिरते मानकों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि गुणवत्ता, सामग्री और प्रस्तुति बेहद कम हो गई है।

शाह का राहुल गांधी से सवाल... क्या देश शरिया से चलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी फिर हमलावर दिख रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल से सवाल किया है कि क्या देश शरिया से चलेगा? दरअसल भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का वीडियो शेयर किया है, इस लेकर भाजपा ने दावा किया है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीब मुसलमानों का होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि हम पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि यदि आप पर्सनल लॉ को आगे बढ़ाएंगे तब क्या ये देश अब शरिया के आधार पर चलेगा? किस प्रकार का संविधान आप इस देश में चाहते हैं? भाजपा ने अपने घोषणापत्र में साफ कहा है कि हम यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे, सभी पंथ और मजहब के लोगों के लिए एक ही कानून होगा।

उन्होंने कहा, सुरक्षित देश के लिए, समृद्ध देश के लिए, गरीबों के कल्याण के लिए ऐसी पार्टी को वोट दें जो अपने वादों पर खरी उतरे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह ने अप्रैल 2009 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी।

महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति... इस पर पति का भी अधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने इस लेकर फैंसले में कहा

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के बीच कुछ शब्द बार-बार सुनाई पड़ रहे हैं, इसमें मंगलसूत्र और स्त्रीधन आम हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्त्रीधन को लेकर अहम फैसले में कहा कि महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति है। इस पूर्ण संपत्ति को अपनी मर्जी से खर्च करने का महिला को पूरा अधिकार है। इस स्त्री धन में पति कभी भी हिस्सेदार नहीं हो सकता, लेकिन संकट के समय पत्नी की रजामंदी से इसका इस्तेमाल कर सकता है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्त्रीधन को लेकर दायर वैवाहिक विवाद पर सुनवाई कर कहा था कि महिला को अपने स्त्रीधन पर पूरा अधिकार है, इसमें शादी से पहले, शादी के दौरान या बाद में मिलीं हुईं सभी चीजें शामिल हैं, जैसे कि माता-पिता, ससुराल वालों, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिले गिफ्ट, धन, गहने, जमीन और बर्तन आदि शामिल है। ये समझना जरूरी होता है कि आखिर स्त्रीधन क्या है। इसके दायरे में क्या-क्या आता है? दरअसल स्त्रीधन एक कानूनी टर्म है, जिसका जिक्र हिंदू धर्म में देखने को मिलता है। स्त्रीधन का अर्थ है महिला के हक का धन, संपत्ति, कागजात और अन्य वस्तुएं। एक आम धारणा ये है कि महिलाओं को शादी के दौरान जो चीजें उपहार स्वरूप मिलती हैं, उन्हें ही स्त्रीधन माना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है।

स्त्रीधन में किसी महिला को बचपन से लेकर भी जो चीजें मिलती हैं, वह भी स्त्रीधन के दायरे में आती हैं। इसमें नकदी से लेकर सोना, हर तरह के तोहफे, संपत्तियां और बचत भी शामिल हैं। आसान शब्दों में शादी के दौरान या शादी के बाद मिले इस तरह के उपहारों को ही स्त्रीधन माना जाए। स्त्रीधन पर अविवाहित स्त्री का भी कानूनी अधिकार है। इसमें वे सारी चीजें आती हैं, जो किसी महिला को बचपन से लेकर मिलती रही है। इसमें छोटे-मोटे तोहफे, सोना, कैश, सेविंग्स से लेकर तोहफे में मिली प्रॉपर्टी भी आती है।

किस कानून के तहत है स्त्रीधन का अधिकार?

हिंदू महिला का स्त्रीधन का हक हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 14 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 27 के तहत आता है। यह कानून शादी से पहले, शादी के समय या शादी के बाद महिला को स्त्रीधन अपने पास रखने का पूरा हक देता है। महिला चाहे तब स्त्रीधन को अपनी मर्जी से किसी को दे सकती है या बेच सकती है। इसके साथ ही घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 12 भी महिलाओं को इसतरह के मामलों में स्त्रीधन का अधिकार देती है, जहां वे घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। वे इन कानूनों की मदद से अपना हक वापस ले सकती हैं। लेकिन कई मामले होते हैं, जहां मंगलसूत्र को छोड़कर ज्यादातर स्त्रीधन महिला के ससुरालवाले रख लेते हैं, ये कहकर कि वे संभालकर रखने वाले हैं। ऐसी स्थिति में कानून उन्हें स्त्रीधन का ट्रस्टी मानता है। जब भी महिला उन चीजों को मांगती है, तब महिला को देने से मना नहीं किया जा सकता।

स्त्रीधन और दहेज दो अलग-अलग चीजें हैं। दहेज मांगस्वरूप दिया या लिया जाता है जबकि स्त्रीधन में प्रेमस्वरूप चीजें महिला को दी जाती हैं। अगर स्त्रीधन को ससुराल पक्ष ने जबरन अपने कब्जे में रखा है, तब महिला इसके लिए दावा कर सकती है। अगर पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस लगा है, तब उसके साथ में स्त्रीधन को लेकर अलग से केस दर्ज कराया जा सकता है।

आदिवासी राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की तिकड़ी कर रही जोरदार प्रचार

रायपुर (एजेंसी)। लगभग चार माह पहले छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे दमदार प्रदर्शन करके सत्ता में आई भाजपा पूरी कोशिश में हैं कि राज्य की सभी 11 संसदीय सीटों पर जीत हासिल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से राज्य में सघन चुनाव प्रचार कर रहे हैं उसका बड़ा असर यहां की राजनीतिक स्थिति पर दिख रहा है। भाजपा ने 2019 में छत्तीसगढ़ में 11 में से 9 सीटों पर जीत हासिल की थी। तब राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी थी। भाजपा को लगता है कि जब विपरीत परिस्थिति में भी 9 सीटों पर जीत हासिल की जा सकती है,तब अनुकूल परिस्थितियां हैं इसलिए 11 सीटों पर जीत का लक्ष्य हासिल करना कोई नामुमकिन बात नहीं है।

आदिवासी बहुल राज्य में भाजपा को उम्मीद है कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाये जाने का प्रभाव यहां के मतदाताओं पर है। भाजपा ने विष्णु देव साय के रूप में राज्य को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री भी दिया है। भाजपा इस बात को प्रचारित कर रही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में ही आदिवासी मामलों के लिए केंद्र में अलग मंत्रालय का गठन किया गया था। भाजपा दावा कर रही है कि आदिवासियों का भला भाजपा से बेहतर कोई नहीं कर सकता।

राज्य की नई भाजपा सरकार 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रही है। साय सरकार ने भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में किए गए दो वादों को पूरा करते हुए, धान किसानों को लंबित बोनस भी हस्तांतरित कर दिया है। इसके अलावा महतारी वंदन योजना की दो किश्तों के पैसे भी जारी कर दिये गये हैं। इस सबका मतदाताओं पर गहरा असर दिख रहा है।

वहीं भाजपा सरकार जिस तरह नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चला रही है उसका भी असर मतदाताओं पर दिख रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी कड़े रुख को देखते हुए लोगों को इस बात का विश्वास है कि भाजपा सरकार नक्सलियों के आतंक से पूरी तरह मुक्ति दिला सकती है। इसके अलावा भाजपा की सरकार बनते ही जिस तरह जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के अभियान को झटका लगा है उससे भी लोग बेहद खुश दिखे।

दूसरी ओर, कांग्रेस के वादों पर कोई विश्वास करने को तैयार नहीं है, क्योंकि जिस तरह महादेव एप घोटाले की छाया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर पड़ी है उससे कांग्रेस की छवि दागदार हुई है। इसकारण कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के दौरान किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य देने और उनके कर्ज की माफी का जो वादा किया था, उसके बावजूद पार्टी को वोट

नहीं मिले थे और वह सत्ता से बाहर हो गई थी। इसलिए अब कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदलते हुए भाजपा पर यह आरोप लगाना शुरू किया है कि वह यदि सत्ता में आई, तब संविधान बदल देगी। कांग्रेस के जो भी नेता यहां प्रचार के लिए आ रहे हैं वह यही दावा कर रहे हैं कि भाजपा आदिवासी संस्कृति को नुकसान पहुँचाने के साथ ही आदिवासियों के अधिकारों में भी कटौती करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपसी दुश्मनी में असामाजिक तत्वों ने हथियारों से गाड़ियों में की तोड़फोड़

सीसीटीवी के आधार पर ६ आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में कुख्यात बदमाशों के गिरोह ने अंजना के अनवर नगर में आतंक मचाया था. करीब ८ से १० की संख्या में असामाजिक व गुंडागर्दी करने वाले युवको के हाथों में तलवार, कुल्हाड़ी, लाठी, चप्पू समेत कई तरह के क्रूर हथियार लेकर सरेआम उत्पात मचा रहे थे और वाहनों में भी तोड़फोड़ की. घातक हथियारों से लैस गिरोह के बदमाशों ने दोपहिया वाहनों के साथ-साथ घर के बाहर रखे सामान में भी तोड़फोड़ की और जमकर आतंक मचाया. इससे स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी और भय फैल गया. असामाजिक तत्वों के एक गिरोह द्वारा फैलाए गए आतंक की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई. सलाबतपुरा पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर ६ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. हंगामा करने वाले आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए अपने बाल भी काटवा लिए थे. पूरे घटनाक्रम में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछली लड़ाई की दुश्मनी निभाते हुए लिंबायत इलाके के कुख्यात बाबा कालिया अनी गैंग ने बीती रात जमकर आतंक मचाया. ये उपद्रवी खुलेआम कुल्हाड़ी और तलवार जैसे हथियारों के साथ अनवर नगर की गली नंबर ५ में घुस गए. वह उसी को मारने गए थे जिससे उसका झगड़ा हुआ था. लेकिन, मौके पर मौजूद नहीं बदमाशों ने उनके घर के दरवाजे पर हथियार से हमला कर दिया. साथ ही घर के बाहर पड़ी बुलेट, मोपेड समेत गाड़ियों और सामानों में तोड़फोड़ की.

घटना के संबंध में डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने कहा कि जिस शिकायतकर्ता के घर पर सभी युवकों ने हमला किया था, उसने सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. जांच से पता चला कि कुछ दिन पहले, शिकायतकर्ता के बेटे का २२ तारीख को मुख्य आरोपी मोसिन उर्फ बाबा कालिया, जो हमलावरों में से एक था, उसके साथ झगड़ा हुआ था और उसके साथ मारपीट की गई थी. जिसका विरोध करते हुए मोसिन उर्फ बाबा कालिया ८ से १० असामाजिक तत्वों के साथ हथियार के साथ हमला करने आया था. हालांकि इस दौरान शिकायतकर्ता का बेटा वहां नहीं मिला और उसके घर और घर के बाहर गाड़ियों में तोड़फोड़ की. इस घटना में शिकायतकर्ता को भी गंभीर चोटें आईं. जिसको लेकर पुलिस ने मारपीट सहित हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आगे की जांच की.

डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने आगे कहा कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया और सीसीटीवी के आधार पर तत्काल जांच शुरू कर दी. जब इस बात की जानकारी हंगामा करने वाले आरोपियों को हुई तो मुख्य आरोपी मोसिन उर्फ कालिया समेत तीनों असामाजिक तत्वों ने पुलिस से बचने और अपनी पहचान छुपाने के लिए अपने बाल काटवा लिए, हालांकि पुलिस ने इस घटना में मुख्य आरोपी समेत ६ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी कार्रवाई की है. सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. उससे गंभीर अपराधों में उसकी पिछली संलिप्तता और हथियार कहां छिपाए गए हैं, इसके बारे में पूछताछ की जा रही है.

फोस्टा में बैठक कर कपड़ा मार्केट के रीसेल व्यापारियों द्वारा बनाई एकजुटता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर के कपड़ा मार्केट के घटक रीसेल व्यापारियों के साथ फोस्टा के बोर्डरूम में व्यापार सम्बंधित चर्चा के लिए एक आवश्यक मीटिंग आयोजित की गई. मीटिंग में फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने रीसेल व्यापारियों को एकजुट होकर अपना संगठन बनाने और व्यापार के लिए एक नीति नियम बनाने की बात कही. उन्होंने कहा कि व्यापार को सुरक्षित और सीमित मात्रा में करना चाहिए और एजेंट कपड़ा बाजार के अभिन्न घटक हैं. उन्होंने व्यापारियों से एजेंटों की प्रमाणिकता की जांच करने के बाद ही उनसे व्यापार करने का आग्रह किया.मीटिंग में उपस्थित सभी व्यापारियों ने फोस्टा को अपना समर्थन दिया और फोस्टा द्वारा लिए गए निर्णयों को मानने की बात कही. मीटिंग में फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम के साथ कई अन्य व्यापारीगण भी उपस्थित रहे.

फॉर्म रद्द होने के पांचवें दिन कुंभानी निलंबित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फॉर्म रद्द होने के छठे दिन कुंभाणी निलंबित- कांग्रेस पार्टी ने ६ साल के लिए निष्कासित किया; कल्पेश बारोट ने कहा- दलाल का 'दलाल' मतलब कुंभानी, सूरत आएंगे तो पिटेंगे. नीलेश कुम्भानी का फॉर्म २१ अप्रैल को रद्द कर दिया गया था. छठे दिन कांग्रेस ने नीलेश कुंभानी पर सख्त कार्रवाई की है. प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति की बैठक में इस तथ्य का संज्ञान लेते हुए कुंभाणी को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है. हालाँकि, दूसरी ओर, नीलेश कुंभानी, जो सूरत से लोकसभा उम्मीदवार हैं, उनके फॉर्म भरते ही आप और कांग्रेस द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। दो दिन पहले नीलेश कुंभानी के घर के बाहर गद्दार और लोकतंत्र का हत्यारा जैसे बैनर लगाए गए थे. इसके बाद आज कांग्रेस गेट पर सिटी बसों और रिक्शों पर 'दलाल नो दलाल दलाल डेमोक्रेट नो हिदारो' लिखे पोस्टर लगाए गए.

छह साल से निलंबित कमेटी की बैठक में नीलेश कुंभानी ने कहा कि आपको कांग्रेस पार्टी ने संसद का टिकट दिया था. पार्टी सौराष्ट्र के कई पाटीदारों और सूरत में बसे अन्य सौराष्ट्र के लोगों के प्रतिनिधि के रूप में अपनी आवाज उठाने के लिए आप पर भरोसा कर रही थी। कुंभानी ने आपके फॉर्म को रद्द करने के संबंध में आपकी पूर्ण लापरवाही या भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलीभगत के संबंध में किसी भी प्रकार की स्थिति का खुलासा नहीं किया है। हालाँकि, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार, अनुशासनात्मक समिति ने आपको आकर पूरी तरह से समझाने और अपना पक्ष रखने का समय दिया। आप नाटकीय ढंग से गायब हो गए हैं और आपने अपनी पार्टी को कुछ भी नहीं बताया है, इसलिए पार्टी ने आपको छह साल के लिए निलंबित करने का फैसला किया है।

INDIAN NATIONAL CONGRESS

ગુજરાત પ્રદેશ કોંગ્રેસ સમિતિ

"રાજીવ ગાંધી ભવન", એલિસબ્રિજ, અમદાવાદ-૩૮૦ ૦૦૬.

ફોન : (૦૭૯) ૨૬૫૭૮૨૧૨, ૨૬૫૭૮૨૧૩ ફેક્સ : (૦૭૯) ૨૬૫૭૭૫૯૮૯

website : www.incgujarat.com • E-mail : gpcc1234@gmail.com

૨૬-૪-૨૦૨૪

પ્રતિ,
નિલેશ કુંભાણી
સુરત

વિષય - છ વર્ષ માટે સસ્પેન્ડ કરવા બાબતનો હુકમ

પ્રદેશ કોંગ્રેસ સમિતિની શિસ્ત સમિતિની બેઠકમાં વિસ્તૃત ચર્ચાના અંતે નીચે મુજબની હકીકતો ધ્યાને લઈને તમને છ વર્ષ માટે સસ્પેન્ડ કરવામાં આવે છે.

તમોને કોંગ્રેસ પક્ષે સંસદની ટિકિટ આપી હતી. સૌરાષ્ટ્રના અનેક પાટીદારો તથા અન્ય સૌરાષ્ટ્રના લોકો કે જેઓ સુરત સ્થિત થયા છે તેમના પ્રતિનિધિ તરીકે તમે અવાજ ઉઠાવો તેવી ગણતરી પક્ષની હતી.

તમારા ફોર્મને રદ થવાની બાબતમાં તમારી સંપૂર્ણપણે નિષ્કાળજી અથવા ભારતીય જનતા પાર્ટી સાથે તમારું મેળાપીપણું હોવાની પરિસ્થિતિ સ્પષ્ટ દેખાઈ આવી હતી. આમ છતાં, કુદરતી ન્યાયના સિદ્ધાંત

इस तरह की स्थिति बेहद शर्मनाक है. आपका फॉर्म रद्द होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है. उसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने सभी तंत्रों का दुरुपयोग कर दूसरे दल के प्रत्याशी को लालच, प्रलोभन, भय और प्रताड़ना देकर सभी प्रपत्र वापस लेकर लोकतंत्र की हत्या की है। चुनाव के समय मतदाता को वोट देने का पवित्र अधिकार है। सूरत की घटना ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोगों के मतदान के अधिकार पर कुठाराघात किया है और यह लोकतंत्र के इतिहास में एक शर्मनाक काले अक्षर के रूप में दर्ज किया जाएगा। लोकतंत्र के महाचुनाव में पहली बार मतदान करने को लेकर १८ साल का हो चुका युवा मतदाता भी निराश है। इस तरह की स्थिति बेहद शर्मनाक है.' सूरत की जनता के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ता भी काफी गुस्से में हैं और सोशल मीडिया से लेकर तमाम जगहों पर लोग आपके खिलाफ भयानक गुस्सा निकाल रहे हैं, इसलिए अनुशासन समिति ने आपको छह साल के लिए पार्टी से निलंबित करने का फैसला किया है.

नीलेश कुंभानी आएंगे तो उन्हें भी पीटा जाएगा- कल्पेश बारोट नीलेश कुंभानी के पोस्टर लगाते हुए कांग्रेस नेता कल्पेश बारोट ने कहा कि दलाल का दलाल नीलेश कुंभानी है, सूरत शहर के १८ लाख मतदाता वोट देने से वंचित रह गए हैं, कांग्रेस कार्यकर्ता और शहर के मतदाता सूरत स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया. नीलेश को कुम्भनी से जितना भागना हो भाग ले, आज नहीं तो कल उसे सूरत आना ही पड़ेगा। कांग्रेस कार्यकर्ता हों या शहर के मतदाता, हर कोई नीलेश कुम्भानी की तलाश में है. अगर नीलेश कुंभानी आएगा तो उसे पीटा जाएगा.

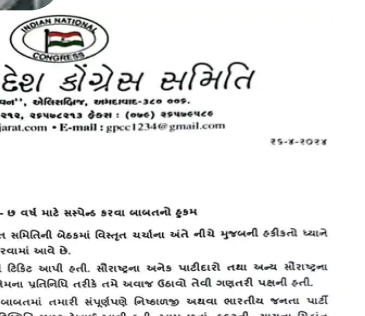

कांग्रेस में भारी रोष नीलेश कुम्भानी को कांग्रेस ने सूरत लोकसभा सीट से उम्मीदवार चुना है. इसके बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नीलेश कुम्भानी ने उनका नामांकन पत्र रद्द कराने की साजिश रची है. हालांकि, फॉर्म रद्द होने से सूरत लोकसभा सीट पर बीजेपी निर्विरोध घोषित हो गई, इसलिए कांग्रेस में भी काफी नाराजगी है. नीलेश कुम्भानी का कांग्रेस द्वारा जगह-जगह विरोध किया जा रहा है.

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस १९ लाख मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किये जाने का विरोध कर रही हैं. दो दिन पहले तीन-चार कांग्रेस कार्यकर्ता नीलेश कुंभानी के घर गए थे और घर के बाहर पोस्टर चिपकाकर विरोध जताया था. कल, आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व कांग्रेस पार्षद दिनेश काछड़िया हीराबाग सर्कल के पास पुल पर गए और नीलेश कुंभानी के खिलाफ गुस्सा व्यक्त करते हुए एक बैनर लगाया, जिसमें स्पष्ट रूप से 'लोकतंत्र का हत्यारा - गद्दार' लिखा था। नीलेश कुंभाणी ने सूरत लोकसभा क्षेत्र के १९ लाख मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर दिया है। नीलेश कुंभानी को कहा गया है कि वह जहां भी आएं, सबक सिखाएं।

वराछा क्षेत्र में स्पा की आड़ में चल रहा देह व्यापार का धंधा पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर में देह व्यापार का धंधा काफी तेजी से चल रहा है और ये समाज के लिए शर्म की बात है. सूरत शहर में हर दो तीन महीने में शहर के अलग अलग क्षेत्र में से देह व्यापार का धंधा पकड़ा जाता है. कई बार तो स्थानिको द्वारा ही पुलिस को इसकी जानकारी दी जाती है. इस बार भी ऐसा ही कुछ हुआ. वराछा के मातावाड़ी क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने महिला हेल्पलाइन पर फोन कर कहा कि यहां कुछ गलत हो रहा है. जिसकी सूचना महिला हेल्पलाइन के माध्यम से वराछा पुलिस को दी गई. जिसके आधार पर पुलिस ने एक डमी ग्राहक भेजा और वहां छापेमारी की गई. वहां से देह व्यापार का धंधा चलाने वाली महिला और मैनेजर और एक नाबालिग ग्राहक समेत दो ग्राहकों को पकड़ा गया. जबकि यौन शोषण की शिकार तीन महिलाओं को मुक्त करवाया गया.

सूरत शहर के वराछा क्षेत्र में मातावाड़ी जैन मंदिर के पास रूज्वल चैंबर्स में घर के सामने दूसरी मंजिल पर मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार चल रहा था. जिसकी सूचना वराछा पुलिस को मिली. सुचना के आधार पर वराछा पुलिस ने उस

महिला संचालक समेत तीन गिरफ्तार, एक नाबालिग ग्राहक भी पकड़ा गया, किराए के मकान में चल रहा था सेक्स रैकेट

मसाज पार्लर पर छापा मारा. जिसमें खुलासा हुआ कि यहां मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार का धंधा चल रहा था. पुलिस की जांच में पता चला कि मसाज पार्लर के संचालक और उसके मैनेजर नसरीन रामचंद्र स्वाई और सुधाशुं राजपूत महिलाओं को लाते थे. ये सभी मसाज पार्लर की आड़ में देह व्यापार का धंधा चला रहे थे.

छापेमारी के दौरान पुलिस ने देह व्यापार के धंधे में धकेली गई महिलाओं और एक महिला संचालक व मैनेजर को पकड़ा था. साथ ही एक नाबालिग ग्राहक समेत दो ग्राहकों को भी पकड़ा था. पुलिस ने एक डमी ग्राहक भेजा और पूरे मामले का खुलासा हुआ. पुलिस ने महिला संचालक नसरीन रामचंद्र स्वाई के साथ मैनेजर सुधाशुं पप्पूसिंह राजपूत और ग्राहक उत्सव सोनानी सहित सभी को गिरफ्तार किया और वेश्यावृत्ति में धकेली गईं तीन महिलाओं को मुक्त करवाया. पुलिस को ४८ हजार नकद, चार मोबाइल फोन और कुल ९८ हजार का कीमती सामान बरामद हुआ. पुलिस द्वारा आहे की कार्यवाही की गई.

सूरत RTO M/Cycle गोल्डन और सिल्वर नंबर सिरीज GJ 05 TB की ई-नीलामी आयोजित करेगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पाल स्थित आरटीओ द्वारा M/Cycle सीरीज के गोल्डन और सिल्वर नंबरों की नई सीरीज तछ्ठ ०५ ञक्क की ऑनलाइन नीलामी शुरू की जाएगी. इस ई-नीलामी के लिए पंजीकरण तिथि ०२ से ०४ मई २०२४ एवं नीलामी ०४ से ०६ मई २०२४ तक आयोजित की जायेगी.

जो वाहन मालिक पसंदीदा नंबर प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अपने वाहनों को http://parivahan.gov.in/fancy पर पंजीकृत करना होगा, यूजर आईडी और पासवर्ड तैयार करना होगा और वाहन व्यवहार कमिश्नर के कार्यालय के निर्धारित निर्देशों के अनुसार नीलामी में भाग लेना होगा. पसंदीदा नंबर प्राप्त करने के लिए आवेदन बिक्री चालान की तारीख या बीमा की तारीख, जो भी पहले हो उसे ७ दिनों के भीतर जमा करना होगा. ऐसा आवेदन करने की तिथि से ६० दिनों तक वैध रहेगा. इस प्रकार, यदि आवेदक को ६० दिनों के भीतर कोई पसंदीदा नंबर नहीं मिलता है या आवेदक को उपलब्ध नंबरों में से कोई पसंदीदा नंबर आवंटित नहीं किया जा सकता है, तो आवेदन की तारीख से ६० दिनों के बाद यानि की आखिरी दिन रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी द्वारा रेंडम पद्धति से नंबर आवंटित किया जाएगा.

यह ६० दिन की सीमा केवल आवेदक को आगे की नीलामी में भाग लेने का अवसर देने के उद्देश्य से दी गई है. ६० दिन की सीमा के कारण, अनंतिम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र को ३० दिनों तक बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है. अस्थायी रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र पूरा होने के बाद उनका वाहन अपंजीकृत माना जाएगा, जिसका उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर नहीं

ऑनलाइन आवेदन ०२ से ०४ मई २०२४ तक किया जा सकता है

किया जा सकेगा.

यदि आवेदक नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के ५ दिनों के भीतर बोली राशि जमा करने में विफल रहता है, तो आधार मूल्य जब्त कर लिया जाएगा और नीलामी दोहराई जाएगी. आवेदक को आरबीआई द्वारा निर्धारित दर पर शुल्क का भुगतान करना होगा. चूंकि असफल आवेदक को रिफंड के लिए मौजूदा मैनुअल पद्धति के अनुसार पैसा वापस करना होगा, पैसा एसबीआई ई-पे के माध्यम से आवेदक के उसी खाते में उसी मोड में वापस कर दिया जाएगा जैसे कि उसने नेट बैंकिंग, क्रेडिट-डेबिट कार्ड द्वारा भुगतान किया था. एम ई.चा. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सूरत पाल की सूची में बताया गया है.